आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/कार्तिक कृष्ण पक्ष संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 97 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
10 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

पीडब्ल्यूडी के पूर्व ईएनसी जीपी मेहरा पर लोकायुक्त छापा, हो रहे हैं चौंकाने वाले खुलासे

आईएएस अफसरों की कृपा से काली कमाई और तरक्की की सीढ़ियां चढ़ने की कहानी

भोपाल

लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना की चारों टीमें लोक निर्माण विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा से जुड़े स्थानों पर छापेमारी में मिले दस्तावेजों के परीक्षण के काम में जुट गई हैं। लेकिन, ***दोपहर मेट्रो समाचार*** पत्र की पड़ताल में जीपी मेहरा और लोक निर्माण विभाग से लेकर मप्र सड़क विकास निगम और विभाग की

दोपहर मेट्रो इंवेस्टीगेशन

भवन निर्माण शाखा में प्रभारी प्रमुख अभियंता पद से सेवानिवृत गोविंद प्रकाश मेहरा को लेकर कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं। शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल के दौरान विभाग में रहे कई पॉवरफुल आईएएस अफसरों से उनके सीधे कनेक्शन थे, जिनके बूते मेहरा ने मप्र सड़क विकास निगम में बेधड़क होकर काम किया। चौंकाने वाली बात तो यह है मेहरा सेवानिवृत्ति के बाद अभी भी मप्र राज्य वेयर हाऊसिंग कारपोरेशन में संविदा नियुक्ति पर चीफ इंजीनियर के बतौर काम कर रहे हैं। कई आईएएस से उसके तार भी जुड़ रहे हैं जिनकी कृपा से वे कामयाबी के मुकाम हासिल करते चले गए। यही अफसर पूर्व में उनके खिलाफ लोकायुक्त और आर्थिक अपराध ब्यूरो में हुई शिकायतों को बंद कराते रहे हैं।

लोकायुक्त पुलिस की विशेष पुलिस स्थापना के छापों में जब्त दस्तावेजों की छानबीन के बाद उनके द्वारा जुटाई गई आय से अधिक संपत्ति का खुलासा होगा। लेकिन दोपहर मेट्रो की छानबीन में मेहरा की अरबों की अकूत संपत्ति से जुड़े कई राज पता चल रहे हैं।

सेमरी हरचंद स्थित मेहरा का रिसॉर्ट।

पत्नी की तीमारदारी करने वाली नर्स से शादी

भोपाल के मौलाना आजाद प्रोद्योगिकी कॉलेज (अब मैनिट) भोपाल से वह एक साल बाद बीई की डिग्री हासिल कर सके क्योंकि कंपार्टमेंट आने की पिछड़ गए, लेकिन 1985 में लोक निर्माण विभाग में तदर्थ नियुक्ति के जरिए प्रवेश करने वाले मेहरा अपने पुराने सहयोगियों के साथ ही 1987 में स्थाई हो गए। मेहरा के बारे में उनसे जुड़े कुछ सहयोगी बताते हैं कि वह कॉलेज के दिनों से ही दबंग प्रकृति के थे। कॉलेज में उनकी दादागिरी चलती थी। बीई करत वक्त ही 1983 में उन्होंने अपने ही बैचमैट रहे साथी की ममेरी बहन भारती मेहरा से लव मैरिज कर ली थी, लेकिन 2010 में लंबी बीमारी के चलते उनका निधन हो गया तो उनकी तीमारदारी में रखी गई नर्स प्रीति से उन्होंने शादी कर ली जिससे एक बेटी भी है। पहली पत्नी से तीन संतानें हैं।

अवैध कमाई की ऊंची छलांग वर्ष 2006 से

लोक निर्माण विभाग में रहते हुए उन्होंने ठेकेदारों को बेजा फायदा पहुंचाकर धन कमाने का सिलसिला तो अपने कैरियर की शुरूआत से ही कर दिया था। लेकिन उन्होंने अवैध कमाई के मामले में ऊंची छलांग तब लगाई जब वह प्रतिनियुक्ति पर लोनिवि से 2006 में मप्र सड़क विकास निगम में अधीक्षण यंत्री के बतौर प्रतिनियुक्ति पर आए। कुछ ही दिनों वह निगम में चीफ इंजीनियर बन गए जहां विभाग के प्रमुख सचिवों से लेकर निगम के प्रबंध संचालकों की कृपा से उन्होंने दस साल तक निष्कंटक राज किया। उन्होंने अपने एक खास मित्र ज्ञानेंद्र सिंह को मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण से प्रतिनियुक्ति पर मप्र राज्य सड़क विकास निगम में बुला लिया। यहां दोनों ने जमकर अवैध कमाई की। ज्ञानेंद्र सिंह बाद में नौकरी छोड़कर ठेकदार बन गए। जबलपुर निवासी ज्ञानेंद्र सिंह अपनी कंपनी में मेहरा और कई रसूखदार आईएसएस अफसरों का पैसा भी लगाकर प्रदेश के सड़क निर्माण के सबसे बड़े ठेकेदारों की जमात में शुमार हो गए। इनमें से एक अफसर तो ऐसे हैं जो जबलपुर जाते थे तो ज्ञानेंद्र सिंह की ही आलीशान कोठी में में रूकते थे और ज्ञानेंद्र सिंह भोपाल आते तो उन्हीं आईएएस अफसर के सरकारी बंगले पर वह ठहरते थे। मेहरा ने अपने बेटे रोहित को भी ठेकेदार बना दिया। मेहरा और सिंह की जुगलबंदी के चलते ही जो अकूत धन की कमाई हुई उसका नामी और बेनामी संपत्ति के रूप में कई जगहों पर निवेश हुआ।

काली कमाई की आर्गेनिक सफेदी

होशंगाबाद में तवा बांध के किनारे विकसित ईको पर्यटन स्थल से लेकर सेमरी हरचंद में सौ एकड़ से ज्यादा जमीन पर आर्गेनिक खेती के जरिए काली कमाई को सफेद करने का तरीका भी खोज निकाला। यहां पहले एक गेस्ट हाऊस भी बनाया गया जिनमें खास मेहमानों की मेजबानी का इंतजाम था। अब वहां मढई के करीब होने के चलते टूरिस्ट कॉटेज भी बनाए जा रहे हैं। भोपाल में मणिपुरम जैसी पॉश कालोनी में बंगले के साथ ही कई फ्लैट भी हैं और शाहपुरा में हाल ही में कई मकान भी खरीदे गए हैं। बैंकों में जमा रकम के साथ ही सोना चांदी, जवाहरात भी कमाई को काली से सफेद कर जुटाया है।

दबती चली गईं पुरानी शिकायतें

मेहरा- ज्ञानेंद्र सिंह के खिलाफ ऐसा नहीं है कि पहले कोई शिकायत नहीं हुई हो। लोकायुक्त से लेकर ईओडब्ल्यू में हुई शिकायतों को उन्होंने अपने रसूखदार अफसरों की मदद से बंद करा दिया। लेकिन मौजूदा लोकायुक्त जस्टिस सतेंद्र सिंह और लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना के अफसरों को इस बार वह मैनेज नहीं कर सके। आलाशीन जिंदगी जीने और शौकीन मिजाजी के लिए मशहूर रहे मेहरा का जलवा नौकरी के बाद भी जारी रहा। अपने तगड़े संपर्कों के बूते ही वे वेयर हाऊसिंग कारपोरेशन में संविदा नियुक्ति पा सके। लोकायुक्त की छानबीन के साथ ही मेहरा और उनसे जुड़े अफसरों की काली करतूतों का खुलासा तो तब होगा जब आयकर विभाग और प्रर्वतन निदेशालय इनकी जांच करेगा। वेयर हाऊसिंग कारपोरेशन में संविदा नियुक्ति रद्द करने का फैसला भी राज्य सरकार को देर सबेर करना ही पड़ेगा।

न्यूज विंडो

शांति का नोबेल पाने हस्तियां रेस में, ट्रंप से आगे रूस की यूलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में नोबेल शांति पुरस्कार 2025 को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस बार 338 उम्मीदवार हैं, जिनमें 244 लोग और 94 संगठन शामिल हैं। इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक रूस के दिवंगत विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनाया की पत्नी यूलिया नवलनाया को ट्रंप से आगे माना जा रहा है। बेटिंग वेबसाइट के आंकड़े बताते हैं कि यूलिया इस दौड़ में सबसे आगे हैं।

दिल्ली में जल्द ही व्हाट्सएप पर जन्म, जाति प्रमाणपत्र के आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार अपनी कई सेवाओं को 'फेसलेस' (बिना आमने-सामने संपर्क के) बनाने पर काम कर रही है, जिसके तहत जन्म और जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों के लिए अब व्हाट्सएप के जरिये आवेदन किए जा सकेंगे और इस मैसेजिंग एप पर ही प्रमाणपत्र मिल जाएंगे। विभिन्न विभागों की लगभग 50 सेवाओं की पहचान की गई है, जिनके लिए लोग व्हाट्सएप के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि 'गवर्नेंस थ्रू व्हाट्सएप पहल के तहत फिलहाल जिन सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है, उन्हें कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा।

आतंकी ठिकानों से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

जम्मू, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक आतंकवादी ठिकानों से हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। भारतीय सेना की चिनार कोर ने कहा कि एक विशेष खुफिया सूचना के बाद कुपवाड़ा के वारसन में ब्रिजथोर वन क्षेत्र में सेना और पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने दो एके सीरीज राइफलें, चार रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा और अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया।

आज का कार्टून

पड़ोस में इमरजेंसी के हालात: इस्लामाबाद और रावलपिंडी में इंटरनेट बंद

पाक की काबुल पर एयरस्ट्राइक

अफगान मंत्री मुत्ताकी के भारत दौरे से बौखलाए आसिम मुनीर की हरकत

नई दिल्ली/काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी के भारत दौरे से बौखलाए पाकिस्तान ने काबुल पर एयर स्ट्राइक कर दी है। इन हमलों का निशाना तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के ठिकाने थे। कतर में तालिबान के राजदूत मुहम्मद सुहैल शाहीन ने बयान जारी कर कहा, 'काबुल में दो धमाकों की आवाज सुनी गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं पाक ने दावा किया कि हमले में टीटीपी प्रमुख नूर वली महमूद मारा गया। जबकि अफगान

मीडिया कह रहा है कि अटैक के बाद टीटीपी के प्रमुख नूर वली महसूद का एक ऑडियो सामने आया, जिसमें उसने खुद के जिंदा होने की बात कही। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकी भरे लहजे में अफगानिस्तान से कहा कि अब बहुत हो गया।

बड़े शहरों में सुरक्षा बढ़ाई गई

अफगानिस्तान में ऑपरेशन के बाद गृह और नार्कोटिक्स कंट्रोल मंत्रालय ने राजधानी इस्लामाबाद और रावलपिंडी में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया है। हालांकि सरकार ने बंद का कारण नहीं बताया है। दोनों शहरों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए प्रमुख सड़कों पर शिपिंग कंटेनर रख दिए हैं। खास प्वॉइन्ट्स को सील कर दिया गया है और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। इधर, टीएलपी अमेरिकी दूतावास के बाहर इज़राइल विरोधी प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। सुरक्षाकर्मियों ने कई प्रमुख मार्गों, खासकर रेड जोन की ओर जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया है- जहां डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, संसद, प्रधानमंत्री सचिवालय, सुप्रीम कोर्ट और अन्य प्रमुख सरकारी संस्थान स्थित हैं।

हलफनामे पर सुप्रीम कोर्ट की लताड़ कहा-झूठ की जिम्मेदारी लेनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद सुप्रीम कोर्ट में गैरसरकारी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर सुनवाई चल रही है। एडीआर ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि बिहार में बिना किसी सूचना के वोटर्स के नाम सूची से डिलीट कर दिए गए। इस हलफनामे ऐसे तथ्य दिए गए, जो झूठे साबित हो रहे हैं। क्योंकि याची इसमें नाम कटने वालों के एक भी उदाहरण नहीं दे पाए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कड़ी फटकार लगाते हुए प्रशांत भूषण से कहा कि आपको इस झूठ की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। इस पर प्रशांत भूषण ने कहा कि इसकी सत्यता की जांच कराई जा सकती है। पीठ इस पर और नाराज हो गई। बेंच ने कहा, 'झूठे हलफनामे का अनुभव मिलने के बाद हम इन पर कैसे भरोसा कर सकते हैं, हमारा काम इन्क्वायरी करना नहीं है।'

योगेंद्र यादव ने कोर्ट में दलील दी कि बिहार की मतदाता सूची से बड़ी संख्या में खासकर महिलाओं के नाम हटाए गए हैं। कोर्ट ने यादव के प्रेजेंटेशन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि साल 2023 तक बिहार में मतदाताओं की संख्या राज्य की वयस्क आबादी से 105 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यह एक संकट था। योगेंद्र यादव ने सुझाव दिया कि चुनाव आयोग को डुप्लिकेट नाम हटाने के लिए सॉफ्टवेयर का प्रयोग करना चाहिए।

तेजी से लुढ़क रहा पारा, प्रदेश में बढ़ी ठंड, उत्तर में अभी से शीतलहर

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी हवाओं के कारण देश के कई शहरों का तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है और रातें ठंडी हो गई हैं। हिमाचल, उत्तराखंड समेत पूर्वी राज्यों के साथ ही दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तेजी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। कुछ इलाकों में शीत लहर चल रही है। इस वजह से मप्र के कई शहरों में रात का पारा 10-15 डिग्री सेल्सियस के बीच आ गया है। 6 किमी प्रति घंटे से ठंडी हवा चल रही है। दिन का औसत तापमान 21 डिग्री सेल्सियस है। राजस्थान के पाली, अजमेर जैसे शहरों में कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान गिरकर 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

सबसे ठंडी रात पाली जिले में दर्ज की गई, जहां पारा 15.2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया।

जानलेवा सिरप बनाने वाली कंपनी के मालिक को चेन्नई से लाई एसआईटी

श्रीसन फार्मा का रंगनाथन रिमांड पर

छिंदवाड़ा, एजेंसी

एमपी में जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के मालिक रंगनाथन को एमपी पुलिस एसआईटी टीम छिंदवाड़ा पहुंची, जिसे परासिया कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। जिससे अब आगे की पूछताछ होगी। बता दें कि रंगनाथन को एमपी पुलिस पिछले कई दिनों से तलाश रही थी। तमिलनाडु और चेन्नई में छापामारी कर रही थी।

आरोपी रंगनाथन को लेकर एमपी पुलिस की एसआईटी टीम पहले परासिया थाने पहुंची, जहां सें जिला अस्पताल भेजकर उसका मेडिकल

चेकअप किया गया। बता दें, कंपनी और आरोपी दूसरे राज्य के हैं और आरोपी को दूसरे राज्य से ही पकड़ा गया है इसलिए एमपी पुलिस को उसकी ट्रांजिट रिमांड मिली है।

इससे पहले एमपी पुलिस की एसआईटी टीम उसे तमिलनाडु से नागपुर एयरपोर्ट पर लाई। सुबह करीब 6.30 बजे उसे नागपुर एयरपोर्ट से लेकर रवाना हुई एसआईटी चौसर होते हुए छिंदवाड़ा लेकर पहुंची। यहां पहले कुछ देर तक उसे छिंदवाड़ा शहर की गलियों में घुमाया गया। उसके बाद परासिया थाने ले जाया गया है। बता दें कि एमपी में जहरीला कफ सिरप कोल्ड्रिफ पीने से किडनी फेल होने के कारण अब तक 22 मासूमों की मौत हो चुकी है। परिवार गमजदा हैं। अब आरोपी से पूछताछ की जाएगी कि आखिर उसने क्या सोचकर कफ सिरप में अवैध और प्रतिबंधित केमिकल डायएथिलीन ग्लाइकोल का प्रयोग किया। कई अन्य पहलुओं पर भी उससे पूछताछ की जाएगी।

मेट्रो एंकर

प्रवर्तन निदेशालय की पहल, कहा ऑनलाइन गिरफ्तारी जैसी कोई चीज नहीं

डिजिटल अरेस्ट से बचें, नोटिस मिले तो करें ईडी के क्यूआर कोड का इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

डिजिटल गिरफ्तारी और ऑनलाइन मैसेजिंग ऐप पर बढ़ती ठगी के मामलों के बीच अब प्रवर्तन निदेशालय ने साफ है किया कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी जैसी कोई चीज नहीं होती है। ईडी केवल व्यक्तिगत रूप से ही गिरफ्तारी करती है। निदेशालय ने दोहराया है कि ईडी द्वारा की जाने वाली गिरफ्तारियां उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद और व्यक्तिगत रूप से की जाती हैं। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत डिजिटल गिरफ्तारी या ऑनलाइन गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है। ठगी रोकने के लिए अब नोटिस में क्यूआर कोड का इस्तेमान किया जाएगा।

ईडी ने पहले भी डिजिटल गिरफ्तारी और फर्जी समन के खिलाफ सलाह जारी की थी। हाल ही में, उन्होंने फिर से यह बयान इसलिए जारी किया क्योंकि उन्होंने देखा कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां कुछ बेईमान लोगों ने ठगी या जबरन वसूली के इरादे से व्यक्तियों को समन

भेजे हैं। एजेंसी लोगों को पूछताछ के लिए बुलाने के लिए समन या नोटिस जारी करती है। लेकिन ठग फर्जी समन तैयार करते हैं जो अक्सर ईडी द्वारा जारी किए गए असली समन जैसे ही दिखते हैं। लोगों के लिए असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है।

क्यूआर कोड होगा सत्यापन

ईडी ने बताया कि लोगों को उनके द्वारा प्राप्त समन की प्रामाणिकता की जांच करने की सुविधा देने के लिए, उन्होंने एक ऐसी प्रणाली लागू की है जिससे समन जनरेट होते हैं। इन समन के नीचे एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड रहेगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सिस्टम के माध्यम से ही समन जारी करें, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों के लिए छूट दी गई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सिस्टम से जनरेट किए गए समन पर जारी करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर और मुहर लगी होगी, साथ ही उनके आधिकारिक ईमेल आईडी और फोन नंबर भी होंगे। समन की प्रामाणिकता ईडी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होने की तारीख के 24 घंटे बाद सत्यापित की जा सकती है।

एसडीएम बोलीं- 2 दिन में टीम बना देंगे; खानूगांव-बैरागढ़ में सीमांकन पूरा

बड़ा तालाब: बिसनखेड़ी, गौरागांव में सबसे ज्यादा अतिक्रमण, सर्वे नहीं

सर्वे के लिए राजस्व, नगर निगम- टीएंडसीपी की बनाई जाएगी संयुक्त टीम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल) की फटकार के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बड़ा तालाब के सीमांकन के लिए 4 एसडीएम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैरागढ़ क्षेत्र में काम शुरू भी हो चुका है, लेकिन जिस हिस्से- बिसनखेड़ी, गौरागांव और सूरजनगर में सबसे ज्यादा अतिक्रमण या कब्जा है, वहां अब तक नपती शुरू नहीं हुई है। यहीं पर कई रसूखदारों के घर, रिसॉर्ट या फार्म हाउस है।

सर्वे एजेंसियां बड़ा तालाब के इन्हीं हिस्सों में पहुंच चुकी है। यहां एफटीएल मुनार से सटकर ही पक्के निर्माण बने हुए हैं। ऐसे 1 या 2 नहीं, बल्कि सैकड़ों निर्माण है। भदभदा, बिसनखेड़ी, गौरागांव, बील गांव और सूरजनगर में बड़ी बिल्डिंग, फार्म हाउस, रिसोर्ट भी है। यहां कार्रवाई का जिम्मा टीटी नगर एसडीएम अर्चना रावत का हैं, लेकिन उन्होंने अब तक कार्रवाई शुरू नहीं की। इस संबंध में उन्होंने कहा कि शुक्रवार को टीम गठित कर देंगे। राजस्व, नगर निगम-टीएंडसीपी की संयुक्त टीम बनाएंगे। इसके बाद सर्वे शुरू करेंगे।

3 में से दो एसडीएम की कार्रवाई नहीं

बड़ा तालाब का बड़ा हिस्सा शहर वृत्त, हुजूर और बैरागढ़ अनुभाग में भी आता है। बैरागढ़ अनुभाग ने तो गुरुवार से ही सीमांकन शुरू कर दिया था। इसमें खानूगांव में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का कॉलेज तक सीमांकन हो चुका है। बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय ने बताया कि खानूगांव और बैरागढ़ इलाके में सीमांकन किया है। अगले दो दिन में सीमांकन पूरा कर लेंगे। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि बड़ा तालाब का कम ही हिस्सा है। इसका सर्वे कराएंगे। शहर वृत्त एसडीएम दीपक पांडे ने कार्रवाई शुरू नहीं कराई। इस वजह से उनके यहां बड़ा तालाब किनारे कितने अतिक्रमण है, यह पता नहीं चल पाएगा।

अभी एफटीएल तय करेंगे, कार्रवाई बाद में

बड़ा तालाब किनारे अवैध कब्जे को लेकर पर्यावरणविद राशिद नूर ने याचिका दाखिल की थी। इसके बाद एनजीटी ने सीमांकन करने के आदेश दिए हैं। बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह ने बताया कि अभी एफटीएल के अनुसार सीमांकन कर रहे हैं। यह रिपोर्ट एनजीटी में प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद हटाने की कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर करेंगे। एक्सपर्ट नूर ने बताया, बड़ा तालाब रामसर साइट है। नियम अनुसार, शहरी सीमा में 50 मीटर और ग्रामीण सीमा में 250 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन एफटीएल मुनार से सटकर ही पक्के निर्माण बने हुए हैं।

दो तरह की मुनारें

बड़ा तालाब के किनारों पर भू-माफिया भी सक्रिय है, जो कम दाम पर प्लाट देने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने और लोगों ने इस दायरे को लेकर ही भ्रम की स्थिति भी खड़ी की है। जिन मुनारों से एफटीएल की सीमा तय होती है, उन्हीं में फर्जीवाड़ा भी किया गया है। मौके पर एफटीएल बताने वाली 5 तरह की मुनारें लगी हुई है। इनमें से एक में बीएमसी यानी, भोपाल म्युनिसिपल कॉरपोरेशन लिखा है। बाकी पर सफेद रंग है। लिखा कुछ नहीं है। इन्हीं फर्जी मुनारों के आसपास अतिक्रमण और अवैध निर्माण है।

एनजीटी ने दो सप्ताह में मांगी है रिपोर्ट

बड़ा तालाब के अतिक्रमण पर हाल ही में एनजीटी फिर सख्त हुआ। इसके बाद सर्वे शुरू किया गया। याचिका पर्यावरणविद् नूर ने लगाई थी। इस पर एनजीटी ने स्पष्ट किया कि वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 का नियम-4 अब पूरे मध्यप्रदेश के सभी जलाशयों पर लागू होगा। बड़ा तालाब का सिर्फ कागजों का मामला नहीं, बल्कि भोपाल के पर्यावरण संतुलन से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। तालाब में अब 41 नालों से सीवेज गिर रहा है और 227 अतिक्रमण अब तक हटाए नहीं गए। एनजीटी ने दो सप्ताह में सीमांकन रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

एम्स से चोरी प्लाज्मा महाराष्ट्र में बेचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के एम्स अस्पताल से चोरी हुए ब्लड प्लाज्मा की तस्करी अब राज्य की सीमाओं से निकलकर महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि भोपाल से चोरी किया गया प्लाज्मा नासिक की एक निजी लैब में भेजा जा रहा था, जहां से इसका उपयोग मेडिसिन ड्रग्स तैयार करने में किया जा रहा था।

इस खुलासे के बाद बागसेवनिया थाना पुलिस की एक टीम नासिक रवाना हो चुकी है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के चौथे सदस्य और तीसरे आरोपी लक्की के भाई दीपक पाठक को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह लक्की पाठक से चोरी किया गया प्लाज्मा नासिक की लैब तक पहुंचाने का काम करता था। इस गिरोह का मास्टरमाइंड लक्की पाठक पहले ही रिमांड पर है, जबकि एम्स के ब्लड बैंक कर्मचारी अंकित केलकर और उसका साथी अमित जाटव पहले जेल में बंद हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह ने अब तक करीब 200 यूनिट से अधिक ब्लड प्लाज्मा एम्स के ब्लड बैंक से चोरी किया। एक यूनिट की सरकारी दर लगभग 2-3 सौ रुपये है, लेकिन बाजार में इसे महंगे दाम पर बेचा जा रहा था।

आईटीएमएस से 5 करोड़ रुपए से ज्यादा के ई-चालान

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) की कड़ी नजर है। नियमित रूप से ई-चालान जारी किए जा रहे हैं, फिर भी ज्यादातर उल्लंघनकर्ताओं ने अभी तक अपना जुर्माना नहीं भरा है। शहर की यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जारी किए गए चालानों की संख्या की तुलना में ई-चालान भुगतान चिंताजनक रूप से कम है। इस साल जनवरी से सितंबर तक आईटीएमएस के जरिए विभिन्न यातायात उल्लंघनों के लिए कुल 1,54,500 ई-चालान जारी किए गए, जिनमें लाल बत्ती जंप करना, हेलमेट न पहनना, तेज गति से गाड़ी चलाना और तीन लोगों के साथ गाड़ी चलाना शामिल है। हालांकि, अब तक केवल 13,398 उल्लंघनकर्ताओं ने ही अपना जुर्माना चुकाया है।

भोपाल। शहर में अतिक्रमण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। हटाया गया अतिक्रमण फिर हो जाता है। निगम अमले ने सोमवारा क्षेत्र में फिर कार्यवाही की।

पुलिसकर्मियों को भारी पड़ेगी हेलमेट की अनदेखी

तीसरी बार चालान कटा तो ड्राइविंग लाइसेंस कर दिया जाएगा निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़कों पर लोगों के चालान काट खुद नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले पुलिसकर्मियों को यातायात सुरक्षा नियमों की अनदेखी अब बहुत भारी पड़ेगी। पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान पीटीआरआई ने पुलिसकर्मियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य किया है। नए निर्देशों में कहा गया है कि दो बार से अधिक बिना हेलमेट किसी पुलिसकर्मी का चालान हुआ तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

बात यहीं तक नहीं है। नये आदेशों में यह भी है कि इस कार्रवाई के बाद भी पुलिसकर्मी यातायात सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने से बाज नहीं आए तो उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई भी होगी। यानी इस मनमानी से उनकी नौकरी पर भी आंच आ सकती है। पीटीआरआई के इस निर्देश के बाद पूरे प्रदेश की पुलिस में हलचल मच गई है। भोपाल में ही अब तक 100 से अधिक पुलिसकर्मियों के चालान बनाए जा चुके हैं। इनमें अधिकतर ऐसे हैं जो बिना हेलमेट ड्यूटी पर या निजी काम से दोपहिया वाहन लेकर निकले थे। कई मामलों में तो पुलिसकर्मी खुद ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते या मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाते हुए पकड़े गए।

सभी जिला पुलिस के अधिकारियों को दिया निर्देश

पीटीआरआई ने सभी जिला पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों पर नियमित निगरानी रखें और यदि कोई नियमों की अनदेखी करता है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। यह भी कहा गया है कि सड़क पर पुलिसकर्मी आम जनता के सामने अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक होते हैं, ऐसे में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे खुद ट्रैफिक नियमों का पालन कर उदाहरण प्रस्तुत करें। अधिकारियों का कहना है कि इस सख्ती का मकसद केवल अनुशासन बनाना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति पुलिसकर्मियों में जागरूकता बढ़ाना भी है। अगर पुलिस ही नियमों को तोड़ेगी तो जनता से पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

अब हरिपुरा में नए बाघ की दस्तक, गश्त-कैमरे बढ़ाने की तैयारी

भोपाल-रायसेन सीमा पर आठ टाइगर घूम रहे, वन विभाग की चुनौतियां बढ़ीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के आसपास के जंगल बाघों के लिए नई पसंद बनते जा रहे हैं। रायसेन की ओर से भटककर एक नया बाघ अब समरधा के हरिपुरा इलाके में पहुंचा है। इस क्षेत्र में पहली बार किसी बाघ की मौजूदगी दर्ज हुई है। फिलहाल रायसेन और भोपाल की सीमा पर 8 से ज्यादा बाघों का मूवमेंट है, जिससे वन विभाग के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

वन्यप्राणी विशेषज्ञों का कहना है कि रायसेन और भोपाल के बीच बाघों की मौजूदगी को देखते हुए इस क्षेत्र में नया पर्यटक स्थल विकसित किया जाना चाहिए। वन अधिकारियों का कहना है कि ये बाघ रातापानी टाइगर रिजर्व से नहीं बल्कि अन्य इलाके से नई टैरिटरी की तलाश में हरिपुरा पहुंचा है। इससे साफ हो गया है कि बाघ नए घर तलाश रहे हैं।

वन विभाग अब इस इलाके में अतिरिक्त गश्त और कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है। अभी 15 ट्रैप कैमरे से इसकी सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों के लिए लगातार मुनादी कराई जा रही है। समरधा-हरिपुरा इलाके में स्टाफ की संख्या कम। 6बाघों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त फोर्स की जरूरत। 6बाघ और इंसान के बीच टकराव की आशंका बढ़ी। 6शिकार की कमी से बाघ गांवों की ओर रुख कर मवेशी का शिकार कर रहे हैं। कैमरा ट्रैप और अन्य संसाधनों की संख्या सीमित।

बन सकता है नया अर्बन टूरिज्म पॉइंट

वन्य प्राणी प्रेमियों और वन विभाग के पूर्व अधिकारियों का कहना है कि हरिपुरा का जंगल बाघों के लिए नया घर बन सकता है। यहां योजनाबद्ध तरीके से संरक्षण और पर्यटन विकास किया जाए तो यह क्षेत्र भोपाल के लिए टाइगर टूरिज्म का नया केंद्र बन सकता है। ऐसे ही कलियासोत और केरवा में अर्बन टाइगर टूरिज्म पर शासन को काम करना चाहिए। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ भोपाल को नई पहचान मिलेगी।

यह सही है कि हरिपुरा में नए बाघ ने दस्तक दी है। उसने अभी यहां पर डेरा डाला हुआ है। यहां के लोगों को मुनादी कराके जागरूक किया जा रहा है। शायद यह बाघ नई टैरिटरी की तलाश में यहां पहुंचा है।

-लोकप्रिय भारती, डीएफओ भोपाल वन मंडल

स्ट्रीट लाइट और अतिक्रमण हटाने की तैयारी

भोपाल मेट्रो की ब्लू लाइन से दूर की जाएगी बाधाएं

भोपाल। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट को गति देने के लिए सुभाष नगर डिपो में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक एस. कृष्ण चैतन्य और अपर प्रबंध निदेशक संस्कृति जैन (जो भोपाल नगर निगम की आयुक्त भी हैं) ने ब्लू लाइन रूट पर आ रही बाधाओं को दूर करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू होकर करीब डेढ़ घंटे चली, जिसमें ऑरेंज लाइन और ब्लू लाइन की बाधाओं को दूर करने की रूपरेखा तैयार की गई।

चूंकि, ऑरेंज लाइन की अधिकांश सभी बाधाएं दूर हो चुकी, इसलिए पूरा फोकस रत्नागिरी से भदभदा तक की करीब 14.5 किलोमीटर लंबी ब्लू लाइन के निर्माण कार्य में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। अधिकारियों ने बताया कि इस रूट की जमीन की टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और कई स्थानों पर पिलर निर्माण के लिए खुदाई कार्य शुरू हो गया है। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े इंजीनियरों का अनुमान है कि अगले चार से पांच महीनों में पिलर नजर आने लगेंगे।

निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करना लक्ष्य

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस रूट के निर्माण में बाधा बन रही सड़क किनारे की स्ट्रीट लाइटें और अतिक्रमण को जल्द हटाया जाएगा। इसके लिए निगम और मेट्रो प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की है। एएमडी संस्कृति जैन ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया आने वाले दिनों में शुरू होगी, ताकि प्रोजेक्ट की गति प्रभावित न हो। मेट्रो प्रशासन का लक्ष्य है कि इस कॉरिडोर पर निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके।

इस तरह पकड़ में आएगी खाकी की बदमाशी

चालानी कार्रवाई के दौरान पुलिस नाम और मोबाइल नंबर का ब्यौरा लेती है। जिस-जिस व्यक्ति का चालान बनता है, उसका रिकॉर्ड जिला पुलिस के पास दर्ज होता है। एक निश्चित समय के बाद जिला पुलिस देखेगी कि कितने पुलिसकर्मियों पर लगातार हेलमेट नहीं पहनने को लेकर कार्रवाई हुई है। उनका डाटा तैयार किया जाएगा और फिर दो बार से अधिक उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त करने का प्रस्ताव तैयार होगा। पुलिस को समाज के आदर्श के रूप में देखा जाता है। नए आदेश के जरिए पुलिसकर्मियों में हेलमेट के प्रति अनुशासन बढ़ाने का प्रयास है। यदि वे लगातार उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो कार्रवाई होगी। शाहिद अवसार, एआईजी, पीटीआरआई।

चाकू दिखाकर धमकाने से परेशान नाबालिगों ने कर दी युवक की हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित सब्जी फार्म इलाके में बुधवार रात युवक की पेचकस गोदकर निर्मम हत्या करने वाले दो नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण में एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। नाबालिगों ने बताया कि मृतक उन्हें अक्सर चाकू दिखाकर धमकाता था। इससे परेशान होकर उन्होंने अपने साथी के साथ मिलकर अजय की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार अजय कुशवाह पिता विनोद कुशवाह (23) ललिता नगर कोलार में रहता था। उसके पिता विनोद शाहपुरा में सब्जी फार्म टीनशेड में चाय की दुकान चलाते हैं। उनके हाथ में फैक्चर होने से करीब एक सप्ताह से वह दुकान नहीं चला रहे हैं। बुधवार को दुकान अजय कुशवाह ने खोली थी। रात करीब पौने 9 बजे उसने पिता को कॉल कर बताया कि दुकान बंद कर दी है और वह दोस्तों के साथ पार्टी कर घर लौटेगा। रात करीब सवा साढ़े दस बजे विनोद कुशवाह को पता चला कि उसके बेटे अजय का शव सब्जी फार्म टीनशेड के पास पड़ा हुआ है। वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अजय का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस अज्ञात हत्यारों की तलाश में जुट गई। अजय कुशवाह पर मारपीट, अड़ीबाजी लूट जैसे दर्जनभर अपराध दर्ज है। परिजन ने तीन लोगों पर संदेह जताया था। संदेह के आधार पर पुलिस ने तीनों संदेहियों को हिरासत में लिया, लेकिन तीनों की लोकेशन शाहपुरा में नहीं मिली।

मेट्रो एंकर

12 जिलों को मिलेंगे डीपीसी, 1350 ने दी थी परीक्षा

सफल अभ्यार्थियों के 10 से 20 अक्टूबर के बीच होंगे साक्षात्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल सहित प्रदेश के लगभग 12 जिलों के जिला शिक्षा केंद्र में रिक्त जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) के पदों को जल्द ही प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरा जाएगा। इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित की गई लिखित परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए गए है। हालांकि इन परिणामों में सिर्फ 36 सफल शिक्षकों की सूची जारी गई है।जिसके बाद इन परिणामों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। राज्य शिक्षा केंद्र के पास करीब 2 हजार आवेदन पहुंचे थे।जिसमें लगभग 1600 आवेदक पात्र पाए गए थे। इसमें से करीब 1350 आवेदक परीक्षा में शामिल हुए थे।इसमें से मात्र 36 सफल शिक्षको सूची जारी की गई है। हालांकि इसपर कुछ शिक्षक संगठनों ने सवालियां निशान लगाते हुए पूछा है कि परीक्षा में शामिल बड़ी संख्या को देखते हुए मात्र 36 शिक्षकों की सूची जारी होना संदेह के घेरे में आता है।मामले में जब राज्य शिक्षा केंद्र अपर संचालक देवभूषण प्रसाद से संपर्क किया गया तो वह जवाब नहीं दे पाए।उन्होने कहा कि इस मामले को लेकर कल राज्य शिक्षा केंद्र के जनसंपर्क अधिकारी से बात कीजिए।परीक्षा और परिणाम की जानकारी वही दे पाएंगे।

दरअसल, प्रदेश के जिलों में रिक्त पड़े जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा करीब चार माह पहले सूचना जारी की गई थी। प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्य हाईस्कूल, व्याख्याता एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संवर्ग के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे।आवेदकों का बीएड होना अनिवार्य है। आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। 75 अंको की लिखित परीक्षा 21सितंबर को आयोजित की गई थी। इसके लिए प्रदेश में मात्र दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।जिसमें भोपाल जिले के शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस हासे स्कूल और कमला नेहरू हासे स्कूल, टीटी नगर शामिल है। अब परिणाम जारी किए गए है।अब सफल अभ्यार्थियों का साक्षात्कार 10 से 20 अक्टूबर के बीच होगा, जो 25 नंबर का होगा।जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना मप्र के किसी भी जिले में की जा सकती है।

पदों को लेकर आज भी स्थिति स्पष्ट नहीं

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा शुरूआत से ही सवालों की घेरे में रही है। पदों को लेकर आज भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।?इसके अलावा इस परीक्षा में शामिल होने वाले करीब 1300 आवेदकों में से मात्र 36 के नामों की सूची जारी होना हास्यपद है। ऐसे में बाकी आवेदक असमंजस की स्थिति में है और परीक्षा व परिणाम सवालों के घेरे मे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई में रिन्युवल एनर्जी इक्यूपमेंट और व्हाइट गुड्स मैन्यूफैक्चरिंग समिट में की शिरकत।

सिरप से मौतें : सीएम ने नागपुर में भर्ती मासूमों का जाना हाल

दोषियों को दिया सख्त संदेश, तमिलनाडु सरकार पर भी लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल। मध्यप्रदेश में जहरीली कप सिरप कोल्ड्रिफ अब तक 23 मासूमों को निगल चुकी है। जबकि कई बच्चे अभी भी नागपुर के अस्पतालों में जीवन-मौत से संघर्ष कर रहे हैं। जिनका हाल जानने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागपुर पहुंचे। उन्होंने एम्स, जीएमसी और न्यू हेल्थ सिटी अस्पताल पहुंचकर छिंदवाड़ा और बैतूल जिले के किडनी संक्रमित बच्चों के स्वास्थ्य का हालचाल जाना और डॉक्टरों को सर्वोत्तम इलाज करने का निर्देश दिया। बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने और परिजन से चर्चा करने के बाद सीएम यादव मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि प्रतिबंधित कफ सिरप का उपयोग किए जाने के मामले से संबंधित किसी भी दोषी को नहीं बख्सा जाएगा। अभी तमिलनाडु की दवा कंपनी के जिम्मेदार लोगों को दबोचा गया है और उनकी गिरफ्तारी हुई है। मध्यप्रदेश सरकार मानवीय और प्रशासनिक दोनों आधार पर कार्रवाई जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु में निर्मित दवा के उपयोग से ही बच्चों की मृत्यु की बात प्रमाणित हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस ने दोषी लोगों की गिरफ्तारी की है। दुर्भाग्य की बात है कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर को दवा कंपनी की नियमानुसार जांच करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रेंडम सैंपल लेकर आवश्यक जांच करवाई गई और छिंदवाड़ा के चिकित्सक सहित और अन्य दोषियों का निलंबन भी किया गया है और ड्रग कंट्रोलर को हटाया गया है। इसके साथ ही, जो डॉक्टर उस कंपनी की प्रतिबंधित दवा रोगियों के लिए लगातार लिख रहे है, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है।

मप्र पीड़ित पक्ष, किसी के खिलाफ भी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के बच्चे और परिवार तो पीड़ित पक्ष हैं, हमारे प्रदेश के बच्चों की मृत्यु हुई है। इस संवेदनशील प्रकरण में मध्यप्रदेश सरकार किसी भी दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

तमिलनाडु सरकार को करनी चाहिए सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार को नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई करना चाहिए। अब तक की जांच में मूल रूप से मैन्युफैक्चरिंग के स्तर पर त्रुटि की बात सामने आई है। त्रुटिपूर्ण यह दवा बच्चों को दी गई जिसके फलस्वरुप जीवन की क्षति हुई। उन्होंने कहा कि जैसे ही तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट आई वैसे ही मध्यप्रदेश सरकार ने इस कफ सिरप पर प्रतिबंध लगाया। दवा कंपनी के मालिक को भी गिरफ्तार किया गया। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा।

निर्वाचन आयोग का बड़ा कदम : मध्य प्रदेश में मतदाता सूची फ्रीज

बिहार में हुए मतदाता सूची के एसआईआर को मॉडल मानते हुए की जा रही तैयारियां

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बिहार चुनाव के पहले भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए एसआईआर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को मध्य प्रदेश में कराने की तैयारी अगले चरण में पहुंच रही है। तय हुआ है कि मौजूदा मतदाता सूची को फ्रीज कर दिया जाएगा। यानी प्रक्रिया पूरी होने तक इसमें किसी तरह का संशोधन नहीं हो पाएगा। इसी फ्रीज सूची के आधार पर मतदाताओं की जांच होगी।

निर्वाचन आयोग ने कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों के साथ बैठक में इसकी जानकारी दी। हालांकि अभी मध्य प्रदेश में एसआईआर को लेकर कोई दिनांक तय नहीं की गई है, लेकिन बिहार में हुए एसआईआर को माडल मानते हुए निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक में एडीएम प्रकाश नायक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि बुधवार को मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ अक्टूबर को मतदाता सूची पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी। इसके बाद किसी भी तरह का कोई संशोधन सूची में नहीं किया जा सकेगा। बिहार में हुए मतदाता सूची के एसआईआर को माडल मानते हुए तैयारियां की जा रही हैं। वर्ष 2003 में जिले में चार विधानसभा क्षेत्र थे और कुल 11 लाख 81 हजार 531 मतदाता, 1090 मतदान केंद्र थे। जबकि वर्ष 2025 में सात विधानसभा क्षेत्र, कुल 21 लाख 18 हजार 364 मतदाता और 2029 मतदान केंद्र हैं।

पहचान पत्रों में आधार का जिक्र नहीं

सक्सेना इस मामले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना का कहना है कि मध्य प्रदेश में एसआइआर को लागू करने में आधार को शामिल करने संबंधी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय ने नहीं दी है। सरकार ने समग्र आईडी, वोटर कार्ड, प्रापर्टी, बैंक खाता सहित सभी जरूरी दस्तावेजों को आधार से लिंक कराया है। जबकि भारत निर्वाचन आयोग की सूची में इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल नहीं किया गया है। इसके लिए पार्टी स्तर पर कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

22 साल बाद होगा एसआईआर, बढ़े नौ लाख मतदाता

भोपाल जिले में 22 साल पहले वर्ष 2003 में मतदाता सूची का एसआईआर किया गया था, जो अब 2025 में करने की तैयारी है। इन 22 साल में कुल नौ लाख 36 हजार 833 मतदाता जिले में बढ़े हैं। ऐसे में 2003 की सूची में जिन मतदाताओं के नाम हैं उन्हें कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। हालांकि सभी मतदाताओं को गणना पत्रक भरकर देना होगा। यह पत्रक सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को देंगे। इसको लेकर अभी निर्वाचन आयोग से निर्देश आना बाकी हैं।

17 तक दावे-आपत्ति मंगवाए

भोपाल जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा नगरीय निकाय की फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। इस दौरान आयोजित स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि वह सूची को लेकर सभी तरह के दावे-आपत्ति 17 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकेंगे। जिनके आधार पर बाद में नगरीय निकाय की सूची में संशोधन किया जा सकेगा। प्रकाशित की गई सूची में भोपाल नगर निगम के 85 वार्डों में 17 लाख 90 हजार 905 मतदाता हैं। जिनमें नौ लाख 18 हजार 527 पुरुष और आठ लाख 72 हजार 914 महिला सहित 164 अन्य मतदाता शामिल हैं। ऐसे मतदाता जिनकी उम्र एक जनवरी 2026 को 18 साल पूरी हो रही है, वह नए मतदाता कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे।

बिना जांच के कैसे रिन्यू किया गया लाइसेंस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रश्न किया कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने इस कंपनी को ड्रग लाइसेंस देने का कार्य किया? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटी सी जगह पर किस तरह फैक्ट्री संचालित है, यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए। बिना जांच के लाइसेंस कैसे रिन्यू किया गया? इस दवा कंपनी को दोबारा उद्योग लाइसेंस कैसे दिया गया? कोई भी व्यक्ति स्थल पर जाकर अवलोकन कर सकता है।

शहरी पथ-विक्रेताओं को जोड़ा जा रहा है अन्य योजनाओं से भी

पीएम स्वनिधि योजना: 13.46 लाख हितग्राहियों को 2.78 करोड़ का ऋण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में शहरी पथ-विक्रेताओं को अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 13 लाख 46 हजार प्रकरणों में 2 हजार 78 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि भी दी गई है।

पीएम स्वनिधि में देश में पहले स्थान पर- केन्द्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन कर इसकी अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी है। पथ-विक्रेताओं को योजना का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। प्रदेश के 3 नगरीय निकायों उज्जैन, खरगोन और सारणी को सर्वाधिक ऋण वितरण के लिये पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पीएम स्वनिधि योजना में 42 अन्य नगरीय निकायों एवं बैंक शाखाओं का चयन उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

हितग्राहियों को प्रशिक्षण

राज्य में पथ-विक्रेता योजना में सफलतापूर्वक काम कर सकें, इसके लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिये प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की है। हितग्राहियों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, ई-कॉमर्स, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का भी प्रशिक्षण दिलाया गया है। योजना में चयनित हितग्राहियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गयी है। योजना में पूर्व में 10 हजार के स्थान पर 15 हजार और 20 हजार के स्थान पर 25 हजार रुपये और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रुपए की ऋण राशि दी जा रही है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये हितग्राही को फुटकर लेन-देन पर 1200 रुपये और थोक व्यापार लेन-देन के लिये प्रतिवर्ष अधिकतम 400 रुपये तक कैश बेक की सुविधा दी जा रही है। पथ विक्रेता सुरक्षित रूप से व्यापार कर सके, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा आईडी प्रमाण-पत्र भी जारी किये गये हैं।

राष्ट्रपति ने एनएसएस के स्वयंसेवक आयुषी सिन्हा एवं सौमित दुबे को किया पुरस्कृत

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेवक आयुषी सिन्हा एवं बरकतुल्ला विवि में अध्ययनरत छात्र श्रसौमित दुबे को राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत की अस्मिता एवं सामर्थ्य को प्रभावी रूप से विश्वमंच पर परिलक्षित करने का आन्दोलन है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य संवेदनशील एवं समाजसेवा भावी श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना है।

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के 75% पद खाली, विशेषज्ञ बोले-

उच्च शिक्षा की साख बचाने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति जरूरी, पीएससी से चयन कराना बहुत अच्छा विकल्प

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राज्य के विश्वविद्यालयों के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट में शिक्षकों के 75 फीसदी से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। कहीं 10 साल से भर्ती नहीं हुई है तो कहीं 20 साल से। इससे विवि की रैंकिंग और गुणवत्ता बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। इतने पद लंबे समय से खाली होने की एक वजह यह भी है कि कुलगुरु और कुलसचिव भर्ती से बचते हैं। सरकार के दवाब में विभिन्न विश्वविद्यालयों ने विज्ञापन तो जारी किए लेकिन भर्ती नहीं हुई। भर्ती विवाद के कारण कुछ कुलगुरुओं को हटाना भी पड़ा है। हाल में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कुलगुरुओं की बैठक बुलाई। कुछ कुलगुरुओं ने शैक्षणिक संवर्ग के खाली पदों को एमपीपीएससी के जरिए भरने का सुझाव दिया।

इससे पहले भी कुलगुरु समय-समय पर पीएससी से भर्ती कराने का प्रस्ताव रख चुके हैं। इसकी वजह यही है कि उन्हें भर्ती न करना

पड़े। भर्तियां अटकी रहें और उनके कार्यकाल पूरे हो जाएं। ऐसे ही एक मामले में डॉ. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विवि, महू में 2017-18 में तत्कालीन एसीएस व कुलगुरु बीआर नायडू के समय कार्यपरिषद ने पीएससी के जरिए 36 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती कराने का निर्णय लिया था। लेकिन बाद में नवनियुक्त कुलगुरु ने ही आपत्ति उठा दी थी।

समाधान की राह 2014 में विधानसभा से पास हुए मप्र विश्वविद्यालय अधिनियम संशोधन बिल में सुझाई गई थी। इसमें धारा 49 और 50 में बदलाव करते हुए प्रावधान जोड़ा गया था कि विश्वविद्यालयों के शिक्षकीय पद एमपीपीएससी के माध्यम से भी भरे जा सकें। कर्मचारियों की भर्ती व्यापमं से कराने और अंतर-विश्वविद्यालय स्थानांतरण की भी व्यवस्था की गई थी।

तीन बड़े कारण... भर्ती से क्यों बचते हैं विश्वविद्यालय

1. आरक्षण रोस्टर : आरक्षण रोस्टर की पेचीदगियां सबसे बड़ी वजह है। कई विवि ने पद विज्ञापित किए, लेकिन या तो कोर्ट केस में अटक गए या आरटीआई में फंस गए।
2. फंडिंग की कमी : शासन से इतना कम बजट मिलता है कि सारे पद भर भी दें तो 2-3 साल से ज्यादा वेतन देना संभव ही नहीं। परीक्षा शुल्क से खर्च उठाना पड़ता है।
3. दखलअंदाजी : भर्ती के दौरान अनावश्यक दबाव, शिक्षक-कर्मचारी संगठनों की दखलअंदाजी और शासन से अनुशासनात्मक कार्रवाई का डर भी बड़ी बाधा है।

संसदीय विद्यापीठ में युवाओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

संसदीय प्रणाली को मजबूती देने युवाओं को किया जाए जागरूक

भोपाल। पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में युवा संसद प्रभारियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विद्यालयों तथा भोपाल के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 70 युवा संसद प्रभारी शामिल हुए। कार्यक्रम में संचालक संसदीय विद्यापीठ एवं अपर सचिव संसदीय कार्य विभाग ने कहा कि देश की संसदीय व्यवस्था बहुत मजबूत है और इस व्यवस्था को और मजबूत करने के लिये हमें युवाओं को जागरूक करना होगा। केन्द्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शरद द्विवेदी ने बताया कि संसदीय प्रणाली की गरिमा को बनाये रखने के लिये युवाओं को जागरूक करने के साथ-साथ इसके बारे में जानकारी दी जाना चाहिए। संसदीय सलाहकार मध्यप्रदेश शासन देवेन्द्र वर्मा ने बताया कि संसदीय प्रणाली की जानकारी प्रत्येक नागरिक को होना चाहिए। उन्होंने बताया कि संसदीय कार्य विभाग विधानसभा एवं राज्य शासन के मध्य समन्वय की भूमिका निभाता है। सेवानिवृत्त अपर सचिव विधानसभा सचिवालय पुनीत श्रीवास्तव ने विधानसभा की कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा संसद में क्लिपिंग के माध्यम से प्रणाली के मुख्य बिन्दुओं को उदाहरण सहित बताया गया।

मेट्रो एंकर मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 , पर्यटन क्षेत्र में निवेश व सहयोग के खुलेंगे नए द्वार

भोपाल में लगेगा पर्यटन का महाकुंभ, कल से 13 तक होगा मंथन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से 11 से 13 अक्टूबर 2025 तक भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 का आयोजन होने जा रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 27 देशों के 80 से अधिक विदेशी टूर ऑपरेटरों, 150 घरेलू टूर ऑपरेटरों, 355 सेलर्स, फिल्म उद्योग के प्रतिनिधियों और मीडिया सहित 700 से अधिक प्रतिभागियों को एक मंच पर लाएगा। यह भारत का सबसे बड़ा राज्य-स्तरीय ट्रैवल मार्ट होगा, जो मध्यप्रदेश को अतुल्य भारत का हृदय के रूप में वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। मध्यप्रदेश को पर्यटन, फिल्म, वेडिंग, और जिम्मेदार पर्यटन के

क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाएगा। यह आयोजन 27 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मध्यप्रदेश की ब्रांड पहचान स्थापित करेगा और पर्यटन क्षेत्र में निवेश व सहयोग के नए द्वार खोलेगा।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि फिक्की के सहयोग से आयोजित यह आयोजन देश के सबसे बड़े राज्य-स्तरीय ट्रैवल मार्ट्स में से एक होगा। यह न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक उन्नति और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के नए अवसर भी खोलेगा। इस दौरान 3000 से अधिक बी-टू-बी मीटिंग्स आयोजित होंगी, जो मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा व्यावसायिक संवाद होगा। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस और राउंडटेबल सत्र भी होंगे, जिनमें राज्य सरकारों और वेडिंग व कॉर्पोरेट आयोजकों के साथ विषयगत चर्चाएं होंगी। अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, वन्य जीवन, ग्रामीण संस्कृति, हस्तशिल्प, खानपान, और फिल्म पर्यटन को एक मंच पर प्रदर्शित करेगा।

मुख्यमंत्री के साथ निवेशक सत्र और प्रमुख चर्चाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ वन-टू-वन निवेशक सत्र आयोजित होंगे। दो प्रमुख सत्र विशेष आकर्षण होंगे- पहला, मध्यप्रदेश- हिडन जेम से ग्लोबल आइकन तक, जो धरोहर, वन्य जीवन, और इको-टूरिज्म पर केंद्रित होगा, और दूसरा, द फ्यूचर ऑफ द फिल्म सेक्टर इन मध्यप्रदेश- फ्रॉम रील टू रियल ग्रोथ, जो फिल्म निर्माण और पर्यटन के अवसरों पर चर्चा करेगा। इन सत्रों में देश-विदेश के विशेषज्ञ और उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। 9 अक्टूबर को इंफ्लुएंसर मीट का आयोजन होगा, जिसमें देशभर के इंफ्लुएंसर्स हिस्सा लेंगे। 14 फैम ट्रिप्स के माध्यम से 200 से अधिक प्रतिनिधि मध्यप्रदेश के वन्यजीव, धरोहर, संस्कृति, और अध्यात्म का अनुभव करेंगे। भोपाल में हेरिटेज वॉक, योगा सत्र, बर्ड वॉच, और कायकिंग जैसे आयोजन भी होंगे।

दोनों का फायदा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारत की यात्रा पर आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह यात्रा जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के बाद हुई है, जहां दोनों देशों ने टेक्नोलॉजी, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। स्टार्मर, जो उद्योग जगत के बड़े नामों के साथ भारत आए, ने नई दिल्ली के साथ साझेदारी को ग्रोथ का लॉन्चपैड बताया, जबकि पीएम मोदी ने ब्रिटेन को स्वाभाविक साझेदार कहा। यह मुलाकात दो महीने पहले हुए विस्तृत आर्थिक और व्यापार समझौते (CETA) को जल्द लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके लिए एक जॉइंट कमिटी बनाने का ऐलान किया गया है।

इस व्यापार समझौते से दोनों देशों को जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद है। ब्रिटेन से भारत आने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15त्न से घटकर 3त्न हो जाएगा, वहीं भारत से ब्रिटेन निर्यात होने वाले 99त्न उत्पादों पर टैरिफ पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इस डील से व्यापारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा, साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वर्तमान में दोनों देशों के बीच लगभग 56 अरब डॉलर का व्यापार है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सहयोग ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय उद्योग, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर, अमेरिकी टैरिफ के कारण दबाव में है। आशंका है कि चीन और बांग्लादेश पर कम टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल निर्यात में अगले साल 10% तक की गिरावट आ सकती है। ब्रिटेन के साथ हुई यह डील इस संभावित नुकसान को कम करने में मददगार साबित होगी। स्टार्मर के दौरे ने टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, शिक्षा, निवेश, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। एक बड़ी घोषणा यह है कि ब्रिटेन के 9 विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोल सकेंगे। यह उन भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है जो अमेरिका की वीजा नीतियों के कारण विदेश में पढ़ाई के अवसरों को लेकर चिंतित थे। अपने ही देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलने से रिसर्च को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर दोनों ही इन द्विपक्षीय समझौतों को ऐतिहासिक मान रहे हैं, जिसका मुख्य कारण मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां हैं। अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच, इन मुलाकातों ने दोनों देशों को नए विकल्प दिए हैं। ये नए विकल्प उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत करते समय एक मजबूत स्थिति प्रदान करेंगे। यह साझेदारी न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करेगी। यह दिखाता है कि कैसे देश आपसी सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपने नागरिकों के लिए बेहतर अवसर पैदा कर सकते हैं। इस तरह की साझेदारी भविष्य में और भी मजबूत होने की उम्मीद है, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

नरेन्द्र मोदी: एक कर्मयोगी जिनके लिए संपूर्ण वसुधा कुटुम्बवत्

सुरेश पचौरी
भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसे कर्मयोगी हैं, जिनका जीवन सेवा की संकल्पबद्धता तथा राष्ट्रबोध की दृढ़ता से ओतप्रोत है। वे ऐसे जननेता हैं, जिनके लिए संपूर्ण वसुधा कुटुम्बवत् है। वे भारत की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानकर उसे मनसा, वाचा, कर्मणा व्यवहार में लाते हैं। उनके नेतृत्व में आज केवल आर्थिक रूप से ही नहीं वरन् सामरिक रूप से भी हमारा देश शक्तिशाली बना है। अमेरिका, रूस, चीन जैसे देश भारत का लोहा मानने लगे हैं। पड़ोसी देश चीन दोस्ती के लिए बेताब है। आपरेशन सिंदूर की गाथा तो पूरे विश्व में गूंज रही है। दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान कैसे त्राहिमाम्-त्राहिमाम् की स्थिति में आकर भारत के आगे गिड़गिड़ाया था। पहलगाम की घटना के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने का मोदी जी ने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा कर देशवासियों को यह भरोसा दिलाया कि मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। मोदी है तो मुमकिन है, यह कथन अब पुराना हो चुका है, अब तो मोदी है तो देश सुरक्षित है, यह विश्वास देशवासियों के दिलों में रच-बस गया है।

प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सदैव प्राथमिकता में रखा है, उनका मानना है कि हम सुरक्षित तभी रह सकते हैं, जब हमारे पास रक्षा संसाधन भरपूर मात्रा में उपलब्ध हों। इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट 2014 में 46,429 करोड़ रूपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ रूपये हो चुका है। देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे वहीं अब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है और भारत का निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रूपये का था जो बढ़कर 23,000 करोड़ रूपये हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भों में बात की जाए तो आज पूरे विश्व में हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी की धाक जम चुकी है। विश्व मंच पर उनका कद बहुत ऊंचा हो चुका है, उनका नाम दूरदर्शी व अग्रणी नेताओं में शुमार हो चुका है। वे दुनिया के जिस भी देश में जाते हैं, वहां के राष्ट्राध्यक्ष अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से उन्हें नवाजने में गर्व का अनुभव करते हैं। विगत साढ़े ग्यारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने अनेक देशों की यात्रा की, उन देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में हुए एमओयू इस बात के संकेत हैं कि मोदी जी ऐसे हर देश के लिए भारत का दरवाजा खोल रहे हैं, जो यहां आकर हमारी नीतियों और शर्तों के अनुसार निवेश करें, जिससे भारत समृद्धशाली बने। उल्लेखनीय है कि भारत के मित्र देशों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, जो उभयपक्षीय व्यावसायिक हितों के मद्देनजर एक सुखद संकेत हैं। मोदी जी के व्यक्तित्व में भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति का समुच्चय समाहित है। उनका विजन है कि भारत तरक्की करे, भारतीयता बरकरार रहे और भारतीय संस्कृति का संरक्षण-संवर्धन हो। इस दिशा में उनके निर्देशन में राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक क्षेत्रों में हुए कार्य स्तुत्य हैं। उनके नेतृत्व में आज नया भारत दुनियां के सामने सर ऊंचा कर चल रहा है। भारत मजबूत तो बना ही है, अब वह अजेय बन चुका है।

मोदी जी के नेतृत्व में आज का भारत विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। अपने आत्मबल के सहारे हमारा देश दुनिया का प्रेरक बन चुका है। श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 24 वर्षों में देश दुनिया की सोच बदल दी। उनकी विकासोन्मुखी व जनहितैषी योजनाओं एवं समाज के सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की वजह से जो आमूल-चूल बदलाव आए हैं, उससे नये भारत की नई तस्वीर बहुत साफ देखी जा सकती है। साढ़े बारह साल मुख्यमंत्री के रूप में और साढ़े ग्यारह साल प्रधानमंत्री के रूप में सेवारत श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल पर विहंगम दृष्टि डाली जाए तो सुस्पष्ट नजर आता है कि उन्होंने भारत के मान-सम्मान, गौरव, गरिमा और अस्मिता से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए उसे वरीयता दी। भारत को उत्कर्ष, तरक्की व खुशहाली के सर्वोच्च पायदान पर ले जाने का उनका स्वप्न निःसंदेह पूरा होगा। भारत को विश्वगुरू बनाने के लिए अहर्निश काम करने वाले ऐसे कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हम हृदय से सद्भावना व्यक्त करते हुए यह सदीच्छा रखते हैं कि उनके नेतृत्व में भारत सदैव आलोकित होता रहे।

कोल्ड्रिफ से कोल्ड ट्रस्ट तक: हर डॉक्टर को कटघरे में खड़ा करना न्यायसंगत है?

डॉ. प्रमोद शंकर सोनी
लेखक -होम्योपैथिक चिकित्सक

मेरे एक युवा और होनहार त्वचा रोग विशेषज्ञ मित्र पिछले तीन दिनों से बेहद व्यथित हैं। वे सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़े मेरिट होल्डर, अपने समय के पाबंद, सौम्य स्वभाव के और मरीजों को प्रभावी इलाज देने वाले डॉक्टर के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन अब उनके क्लिनिक में एक नई चुनौती सिर उठाने लगी है–हर तीसरा या चौथा मरीज उनसे उलटे-सीधे सवाल पूछता है। कोई कहता है, डॉक्टर साहब, आपकी क्रीम से खुजली बढ़ गई, कहीं कोलड्रिफ जैसा असर तो नहीं होगा कोई लगभग धमकाते हुए पूछता है, आपकी दवा से कहीं हमारी जान को खतरा तो नहीं डॉक्टर साहब के लिए यह स्थिति बेहद अपमानजनक और थकाऊ है। वे बार-बार समझाते हैं कि उनकी दी गई दवाएं सुरक्षित हैं, वैज्ञानिक परीक्षणों से गुजरती हैं, पर विश्वास की दीवारों में दरारें अब साफ़ दिखाई देने लगी हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से देशभर में एक दर्दनाक खबर सुर्खियों में है जहां मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में खांसी-बुखार के इलाज के लिए दी जाने वाली 'कोलड्रिफ' नामक सिरप से 23 मासूम बच्चों की जान चली गई। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य-तंत्र और पूरे प्रशासन पर लगा गहरा दाग है। यह घटना एक और जहां केवल शासन-प्रशासन और औषधि नियामक संस्थाओं की नाकामी को उजागर करती है तो दूसरी ओर ईमानदारी से इलाज कर रहे हज़ारों डॉक्टरों के प्रति अविश्वास का जहर भी फैला रही है। दुख की बात यह है कि यह स्थिति सिर्फ एक डॉक्टर तक सीमित नहीं है। प्रदेश भर में, बल्कि देशभर में, तमाम एलोपैथिक चिकित्सक इसी अविश्वास के दौर से गुजर रहे हैं। यह वास्तव में बेहद चिंतनीय और दुखद बात है कि छिंदवाड़ा की त्रासदी में इस घातक दवा में मिले जहरीले केमिकल ने न जाने कितने मासूम बच्चों की किडनी खराब कर दी, और इसके लिए सिर्फ दवा कंपनी ही नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही भी बराबर की जिम्मेदार है। लेकिन क्या इस अपराध की सज़ा हर उस डॉक्टर को मिलनी चाहिए जो ईमानदारी से अपने मरीजों का इलाज कर रहा है क्या एक गलती के कारण पूरे चिकित्सक वर्ग को कठघरे में खड़ा किया जाना न्यायसंगत है

यहां यह बात समझना बेहद जरूरी है कि कोई भी डॉक्टर कभी भी किसी भी स्थिति में जानबूझ कर किसी मरीज को हानि पहुँचाने का विचार तक नहीं करता। चिकित्सा विज्ञान का प्रोफेशन केवल एक पेशा न होकर, संवेदना और सेवा का क्षेत्र है। डॉक्टर के पास कोई भी व्यक्ति केवल उसी स्थिति में जाता है जब वह स्वयं दुख दर्द और पीड़ा से भरा होता है। यदि उस समय डॉक्टर उसकी संवेदनाओं को समझते हुए मित्रवत व्यवहार करता है तो मरीज को जितनी ताकत दवाइयों से मिलती है उससे कही ज्यादा डाक्टर द्वारा दी गई विश्वास की शक्ति उसे ठीक करने में मददगार साबित होती है। पर जब इस तरह की घटनाएं चर्चा का विषय बनती हैं तो डॉक्टरों के लाख समर्पण के बाद भी ऐसी घटनाओं से आहत व्यक्ति हर डॉक्टर को कसाई की नजरों से देखता है और फिर का बोझ न केवल चिकित्सक को मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य-तंत्र की जड़ों को भी कमजोर करता है। यह सभी जानते हैं कि मेडिकल नेग्लिजेंस पूर्व से ही कानून हैं, सज़ा भी होती है, और यह होना भी चाहिए। परंतु इस तरह की घटनाओं के बहाने प्रत्येक डॉक्टर को शक की निगाह से देखना, उनकी चिकित्सा शैली पर उंगली उठाना,आरोप-प्रत्यारोप करना या सोशल मीडिया पर उन्हें कठघरे में खड़ा करना, न केवल चिकित्सा जगत के लिए बल्कि समाज के लिए भी बेहद घातक है।

हमें यह याद रखना होगा कि डॉक्टरों को दियाः 'सफेद कोट' सिर्फ एक पेशे की पहचान नहीं, बल्कि उनकी वर्षों की कठिन मेहनत, तपस्या, करुणा, समर्पण और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह कोट पहने हुए डॉक्टर अपने जीवन का बड़ा हिस्सा गहन पढ़ाई के बाद सतत दूसरों की पीड़ा मिटाने में खर्च करता है। रात के अंधेरे में जब आम लोग सोते हैं, तब भी कोई डॉक्टर अस्पताल में किसी मरीज की जान बचाने में जुटा होता है। हाँ, सिस्टम में खामियाँ हैं, लेकिन हर डॉक्टर सिस्टम नहीं है।आज जरूरत है दोषियों को कठोर दंड देने की–दवा कंपनी, निरीक्षण विभाग या प्रशासन–जो भी जिम्मेदार हो। लेकिन साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाज अपने चिकित्सकों के प्रति सम्मान और विश्वास की भावना बनाए रखे। मरीज और डॉक्टर का रिश्ता भरोसे पर टिका होता है। जब यह भरोसा डगमगाता है, तो इलाज का पूरा तंत्र चरमराने लगता है। अंततः, हमें दो चीज़ों पर समान रूप से ध्यान देना होगा–जवाबदेही और विश्वास। जवाबदेही इसलिए कि ऐसी त्रासदियाँ दोबारा न हों, और विश्वास इसलिए कि चिकित्सा सेवा अपने मानवतावादी स्वरूप को बनाए रख सके।

याद रखें डॉक्टर कोई भगवान नहीं होता लेकिन वह इंसानियत की आखिरी उम्मीद जरूर होता है। हमें यह उम्मीद बचाए रखनी है–क्योंकि जब मरीज का विश्वास मर जाता है, तो इलाज की सार्थकता भी खत्म हो जाती है।

सुविचार

गंभीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जायेंगे।
- अज्ञात

निशाना

पूरा सिस्टम लाचार है..!

आशीष गुप्ता

आज का बदलता दौर
जिंदगी में अजब भागमभाग है
अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना
भी एक चुनौती भरा राग है।
वहीं दूसरी तरफ मिलावटी खाद्य
पदार्थों की भरमार है,
शुद्धता बस एक दिखावा
हर तरफ लालच और दौलत
का खुला बाजार है,
इनके आगे पूरा सिस्टम लाचार है
नहीं रहा ईमान न रही प्रतिबद्धता
जैसे तेल, घी और मावा के
दावे वाली बात है फर्जी शुद्धता,
देकर छूट और अलग-अलग प्राइस,
एक के साथ एक फ्री का
देते हैं सरप्राइज,
बाजार की इस होड़ में
बस ग्राहक पिस रहा है,
कोई सूझता नहीं उसे रास्ता
वह स्वास्थ्य और जेब
दोनों से घिस रहा है,
सच तो यही है
आज शुद्धता और कीमत का चयन
करना किसी प्रतियोगिता
से कम नहीं है,
जो उपभोक्ता को बचाए पिसने से ऐसा
किसी में दम नहीं है।

हेल्थ अपडेट

गर्दन-बगल में काले निशान ,पैरों में सूजन- हो सकते हैं डायबिटीज के संकेत

अक्सर शरीर में कुछ बीमारियां इस तरह से जगह बनाने लगती हैं, जिनके बारे में हमें पता ही नहीं चलता। डायबिटीज भी शरीर को खोखला कर सकती है, लेकिन अगर आप वक्त रहते इसका पता लगा लें, तो आप इसे गंभीर होने से रोक सकते हैं। डायबिटीज होने पर शरीर शुरुआत वक्त में कुछ संकेत देता है। इन बदलावों को पहचानना जरूरी है। डायबिटीज एक ऐसी लाइफस्टाइल बीमारी है जो हर पांचवें व्यक्ति में इन दिनों पाई जाती है। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन IFD (Ref) की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लगभग 80 से 90 मिलियन लोग डायबिटीज टाइप 2 से पीड़ित हैं।

डायबिटीज धीरे-धीरे पर पसारती है इसलिए शुरुआत

में इसके लक्षण ध्यान नहीं देने पर पता नहीं चलते। डॉ विशाल खुराना, डायरेक्टर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मेट्रो हॉस्पिटल, फरीदाबाद के मुताबिक बढ़ती थकान, बढ़ता तनाव डायबिटीज का मुख्य कारण है। यदि आपके शरीर का कोई हिस्सा काला पड़ने लगे आपको बार-बार पेशाब आए या तेजी से भूख महसूस हो तो समझ जाएं आपको डायबिटीज ने घेर लिया है।

डॉक्टर के मुताबिक डायबिटीज से घबराएं नहीं इसका इलाज करें। इसको बढ़ने से रोका जा सकता है। **बिना वजह वजन में उतार-चढ़ावः** अचानक वजन बढ़ना या तेजी से घटना, दोनों ही बढ़ती ब्लड शुगर की समस्या का संकेत हो सकते हैं। कुछ लोगों में, हाई इंसुलिन लेवल पेट के आस-पास फैट के जमाव को बढ़ाता है। बहुत से लोगों में, जब शरीर ग्लूकोज का सही उपयोग नहीं कर पाता, तो वह ऊर्जा के लिए मांसपेशियों को तोड़ना शुरू कर देता है, जिससे वजन घटता है।

अक्सर ऐसा डायबिटीज होने पर मैटाबॉलिक इमबैलेंस होने पर होता है।गर्दन, बगलों या कमर के आस-पास कालापन दिखने पर लोग उसे कॉस्मेटिक से जुड़ी प्रॉबलम समझ लेते हैं। स्किन में होने वाला यह बदलाव एक चेतावनी है कि आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बहुत ज्यादा है। यह संकेत दिखते ही आपको अपने ब्लड शुगर को कंट्रोल करना शुरू कर देना चाहिए। **लगातार प्यास और बार-बार पेशाबः** जब ब्लड शुगर का लेवल बढ़ता है, तो किडनी अतिरिक्त ग्लूकोज को बाहर निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करती है। इसकी वजह से आपको बार-बार पेशाब आता है और साथ ही प्यास भी बुझती नहीं है।

व्यंग्य बाण

घोटाला का गड़बड़झाला

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

मैंने अखबार उठाया तो घोटाले की खबर थी। वैसे रोज ही रहती है।अकसर मैं आगे बढ़ जाता हूं पर आज रुक गया।मेरे मन में अचानक आया कि ये घोटाला शब्द बना कैसे होगा?इसमें घो भी है और टाला भी है जबकि यह टलता कभी नहीं है।होकर ही रहता है।घोटाले का एक छोटा भाई भी है घपला।पर घपले में वो बात नहीं है जो घोटाले में है।घपला सस्ता वर्ज़न है।घपला छोटे मोटे लोग कर भगते हैं जबकि घोटाला बड़े लोग की चीज़ है।मैं सोचने लगा कि आखिर घोटाला शब्द का ओरिजन क्या है? इसकी व्युत्पत्ति क्या है? यह शब्द कहां से आया और आते ही छा गया।अब मैं कोई विद्वान व्यक्ति तो हूं नहीं।मैंने अपने अल्पबुद्धि वाले तरीकों से सोचा।एक बार लगा कि कहीं यह घोंट डाला का शार्ट फार्म तो नहीं है।देश का गला घोंट डाला।अब इतना लंबा कौन लिखे तो चलन में आ गया हो-घोटाला।घोटाला वह नहीं करता जो पकड़ा जाता है।और जो करता है वह कभी पकड़ा नहीं जाता।वह अगोचर है।वह कभी सामने नहीं आता।मछली छोटी होती है फिर भी सबको दिखती है मगरमच्छ बहुत बड़ा होता है फिर भी किसी को नजर नहीं आता।यही तो प्रभु की माया है।जो दिखता है वो बिकता है और जो नहीं दिखता है वही टिकता है।लेकिन इस एंगल से देखो तो घोटाला का रिश्ता घोस्ट से जुड़ता हुआ लगता है।घोस्ट भी नहीं झदिखते पर खेल बड़े करते हैं।जैसे घोस्ट राइटिंग होती है जिसमें लिखने वाला पर्दे में रहता है।जिसका नाम छपता है वह कभी लिखता नहीं है।और जो लिखता है वह कभी छपता नहीं है वह छुपता है।बार बार घोषणा होती है कि किसी को बख्शा नहीं जायेगा।लेकिन फिर भी बख्शना ही पड़ता है।इस लिहाज से देखो तो लगता है कि ÷घोषणा करके टाला÷ कहीं इससे तो घोटाला की उत्पत्ति न हुई हो?अब मेरा मन लंबी लंबी छलांगें लगाने लगा।एक बार तो मेरे मन में यह ख्याल भी आया कि जनजाति समाज में प्रचलित घोटुल प्रथा से इस शब्द का कोई संबंध तो नहीं है?फिर यह ख्याल चला गया।घोटुल बहुत अच्छी प्रथा है जिसमें बच्चे अपनी समाज की संस्कृति,परंपरा और इतिहास से परिचित होते हैं।नयी पीढ़ी को विरासत का हस्तांतरण होता है।वैसे देखा जाए तो घोटाले में भी पुराने घोटालेबाज नये घोटालेबाज तैयार करते हैं।घोटाला संस्कृति का हस्तांतरण इसमें भी होता है।भगवान को हम कहते हैं-घट घट के वासी।कबीर साहब कह गये हैं-

घट-घट में वह साईं रमता कटुक वचन मत बोल रे-

घोटाला भी घट घट में हैं।घोटाला वाले भी कटुक वचन नहीं बोलते।मृदुभाषी होते हैं।सबको सेट करके चलते हैं।गौर से देखो तो घट घट से भी घोटाले की ध्वनि मिलती है।गुरुओं में एक अति उच्च श्रेणी होती है-गुरुघंटाल।यूं समझिए कि गुरुओं का भी गुरु होता है-गुरुघंटाल।गुरु के साथ जो यह घंटाल लटक रहा है कहीं इसी ने कालांतर में घोटाले का शेप न ले लिया हो।

मैंने घोटाले के चक्कर में घाट घाट को छान मारा।घाट घाट का पानी जिसने पिया हो वह बेहतरीन घोटाला करता है।घाट घाट को छान डाला-इससे भी रिलेशन बैठता दिखता है।फिर भी मैं अभी श्योर नहीं हो पा रहा हूं। कुछ आपके दिमाग में आये तो जरूर बताइयेगा।

टेक -अपडेट

शिफ्ट होने से पहले Zoho Mail पर स्टोरेज की से Gmail तुलना जरूरी

यदि आप भी जोहो मेल पर शिफ्ट होने की सोच रहे हैं, तो पहले ये जानना जरूरी है कि आपको फ्री में यहां पर कितना स्टोरेज मिलता है। Gmail फ्री में 15GB स्टोरेज देता है, लेकिन यह Gmail, Google Drive और Google Photos के बीच शेयर्ड होता है। भारत में स्वदेशी तरकनीक को अपनाने का क्रेज तेजी से ब रहा है। अमेरिका और बाकी देशों की कंपनियों के ऐप्स को छोकर भारतीय कंपनियों के ऐप्स अपनाने की मुहिम चल रही है। इसमें सबसे ज्यादा पॉपुलर Zoho कॉर्पोरेशन हुई है, जिसने WhatsApp को टक्कर देने वाला Arattai बनाया है और Gmail को टक्कर देने वाला Zoho Mail बनाया है। बहुत सारे यूजर्स Gmail से शिफ्ट होकर Zoho Mail पर जा रहे हैं, लेकिन इस पर अपना ईमेल अकाउंट बनाने से पहले यह बात जान लेना भी जरूरी है कि Zoho Mail कितना स्टोरेज फ्री देता है।

5GB स्टोरेज फ्रीः Zoho Mail पर हर यूजर को 5GB स्टोरेज फ्री मिलती है, छोटे बिजनेस या इंडिविजुअल यूजर्स के लिए यह काफी हो सकती है। हालांकि, यह लिमिटेड फीचर्स के साथ आता है, जैसे कि केवल 5 यूजर्स तक सपोर्ट और वेब-ओनली एक्सेस। अगर आप बड़े अटैचमेंट्स भेजते हैं या मल्टीपल डोमेन मैनेज करते हैं, तो यह प्लान पर्याप्त नहीं है। 5GB फ्री स्टोरेज छोटे यूजर्स के लिए एक अच्छा स्टार्टिंग पॉइंट है, लेकिन ग्रोथ के साथ प्लान अपग्रेड की जरूरत पड़ सकती है। Gmail में Zoho Mail के मुकाबले ज्यादा स्टोरेज फ्री मिलता है। यह केवल ईमेल तक सीमित नहीं है, यह स्पेस Gmail, Google Drive और Google Photos के बीच शेयर्ड होता है, जिससे जल्दी भर जाता है। अगर आपका अकाउंट 15 जीबी से ऊपर चला जाता है, तो नई ईमेल्स भेजना या रिसीव करना मुश्किल हो जाता है। गूगल वन सब्सक्रिप्शन से इसे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन फ्री वाली लिमिट इतनी है। Zoho Mail में Zoho CRM, Zoho Projects, Zoho Docs, Zoho Calendar और Zoho Cliq भी मिल जाते हैं। सभी ऑफिस टूल्स का आप एक ही जगह पर इस्तेमाल कर सकते हैं। मेल तो कर ही सकते हैं, साथ में नोट्स भी बना सकते हैं और टास्क असाइन करने का काम भी कर सकते हैं।

रबी फसलों की बुवाई के बीच क्षेत्र में इन दिनों बढ़ा खाद संकट

कांग्रेस का हल्लाबोल प्रदर्शन, बोले- आठ दिन में समाधान नहीं तो करेंगे भूख हड़ताल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रबी फसलों की बुवाई के बीच सिरोंज क्षेत्र में इन दिनों खाद संकट गहराया हुआ है। डीएपी और यूरिया जैसी आवश्यक खादें गोदामों में उपलब्ध नहीं हैं, जबकि शासन की टोकन प्रणाली ने किसानों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। इसी गंभीर स्थिति के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिरोंज के नेतृत्व में कांग्रेसजनों और किसानों ने शासकीय वेयरहाउस के बाहर जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

धरने का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव ने किया। धरने के बाद कांग्रेसजनों ने एसडीएम सिरोंज को ज्ञापन सौंपा, जिसमें किसानों के लिए तुरंत खाद उपलब्ध कराने, टोकन प्रणाली में सुधार करने और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग की गई।

धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से अशोक यादव, रजत गौड़, अवध शर्मा, कैसर खान, कल्याण सिंह यादव, राकेश शर्मा, इरशाद गौरी अंसार खान, मनोहर शर्मा, खुशाल सिंह रघुवंशी, अर्जुन राजपूत, शैलेंद्र रघुवंशी, सुभान गौरी, सलीम गौरी और असीम दाद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक स्तर पर छेड़ेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि यदि शीघ्र समस्या हल नहीं होती तो मैं भूख हड़ताल पर बैठूंगा

लाइन में खड़े रहकर भी नहीं मिलता खाद: यादव

किसान आज सबसे बड़े संकट से गुजर रहा है। दो-दो दिन लाइन में खड़े रहकर भी खाद नहीं मिल पा रही है। ऊपर से शासन किसानों पर यूरिया के साथ जबरन 'नैनो की बोतल' थोप रहा है, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं, कर्ज और घाटे से जूझ रहा है। अब यह जबरन बिक्री उसके साथ अन्याय है। अगर 8 दिन के भीतर किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मैं खुद भूख हड़ताल पर बैठूंगा। यह सिर्फ आंदोलन नहीं, किसान के सम्मान की लड़ाई है। सुरेश यादव ने आगे कहा कि कांग्रेस किसानों की आवाज बनकर सड़कों पर उतरी है और जब तक किसानों को राहत नहीं मिलती, यह लड़ाई जारी रहेगी। धरने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर कहा कि खाद दो या जवाब दो, किसान की लूट बंद करो जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों की आवाज रही

कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों की आवाज रही है और आज भी किसानों के सम्मान के लिए मैदान में डटी है। सिरोंज तहसील के दोनों विधायक खुद को 'विकास पुरुष' बताते हैं, लेकिन उनके ही क्षेत्र में किसान दर-दर भटक रहा है। दो-दो दिन लाइन में खड़ा होकर खाद के लिए अपमान झेलना पड़ रहा है यही है उनका विकास? कांग्रेस अब इस अन्याय को चुपचाप नहीं सहने देगी।

दीपिका पादुकोण पांढुर्णा में मानसिक रोगियों से मिलीं, परिजनों से की चर्चा

पांढुर्णा। फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पांढुर्णा के बोरगांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान की ओर से संचालित सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यों को देखा। इस दौरान दीपिका पादुकोण ने बोरगांव में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे दो व्यक्तियों और उनके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने जमीन पर बैठकर उनके अनुभवों, चुनौतियों और संस्था से मिले सहयोग को सीधे जाना। इसके बाद उन्होंने बेलगांव स्थित संस्था के कार्यालय में मानसिक रोगी देखभाल कर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं से संवाद किया, जो समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर अनीशा पादुकोण, डॉ. श्याम भट्ट, श्यामराव धवले और विजय धवले व अन्य लोग उपस्थित थे।

मृत बच्चों को छिंदवाड़ा कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सीरप पीने से हुई दो दर्जन से अधिक बच्चों की मौत के मामले को लेकर कांग्रेस ने बालाघाट में कैंडल मार्च निकाला और मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने इस गंभीर मामले के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की है और सीरप बनाने वाली कंपनी के मालिक पर अपराध दर्ज करने की बात कही है। जिला कांग्रेस कार्यालय से शुरू हुआ यह कैंडल मार्च दुर्गा मंदिर के सामने गांधी प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुआ, जहां कार्यकर्ताओं ने शोक श्रद्धांजलि दी।

बच्चों की मौत को लेकर मंडला में आक्रोश

मंडला। छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में गुरुवार रात कांग्रेस ने मंडला शहर में कैंडल मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ता चिलमन चौक से उदय चौक तक यानी करीब 500 मीटर मोमबत्तियां लेकर चले और प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था की आलोचना की। रात करीब 8 बजे शुरू हुए इस कैंडल मार्च में निवास विधायक चैन सिंह बरकड़े, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट राकेश तिवारी सहित करीब 40-50 कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए।

युवक को पीटने से भड़के बंजारा समाज के लोग थाना परिसर में घुसकर लाठी-डंडों से की तोड़फोड़

गुना, दोपहर मेट्रो

सरकारी जमीन और रास्तों को लेकर जिले में आए दिन विवाद हो रहे है। जहां एक और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है तो वहीं सरकारी रास्ते को भी बंद कर दिया है। ऐसा ही एक मामला चांचौड़ा विधानसभा के मृगवास का सामने आया है जहां लाखन सिंह गुर्जर नामक व्यक्ति पर सरकारी रास्ता बंद किए जाने का बंजारा समाज के लोगों ने आरोप लगाया है।

इस रास्ते को लेकर लीलवेया समेत आसपास गांव के बंजारा समाज के मुख्य लोग बुधवार को एक युवक की पिटाई किए जाने से आक्रोशित हो गए और भीड़ के रूप में मृगवास थाना परिसर में घुस आए और वहां उपद्रव करने लगे। यहां रखे गमले फोड़े और आरक्षक सुरेन्द्र बघेल आदि से गाली-गलोच कर अभद्रता करने लगे। पन्द्रह से

बीस मिनट तक मृगवास पुलिस थाने में हंगामा चलता रहा। पुलिस ने जब मोर्चा संभाला तो उपद्रवी थाना परिसर से भागे। इसकी खबर जैसे ही पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के पास पहुंची उन्होंने दूसरी जगह से पुलिस फोर्स भेजा। उपद्रव करने वालों की पुलिस लीलवेया खुर्द गांव में तलाश करती रही।

ये है मामला: मृगवास थानांतर्गत लीलवेया खुर्द में गुर्जर और बंजारा समाज बहुतायत संख्या में रहता है। इस गांव में इन दोनो समाजों के बीच रास्ते को लेकर पहले से ही आपसी विवाद चला आ रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब मृगवास पुलिस थाने में पदस्थ आरक्षक सुरेन्द्र बघेल के सामने बंजारा समाज के जगदीश नामक युवक के साथ गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। बंजारा समाज का आरोप है कि उक्त आरक्षक ने मारपीट करने वालों को पकड़ना तो दूर पीटने से मना तक नहीं किया। इसको लेकर बंजारा समाज के लीलवेया खुर्द एवं आसपास उनके गांव के लोग में नाराजगी छा गई और इस समाज के लोग एकत्रित होने लगे।

व्यापारियों को दी भावांतर योजना की जानकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

तहसील कार्यालय में एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में किसानो को भावांतर योजना का लाभ के देने के संबंध में बैठक की गई। बैठक में मौजूद अनाज व्यापारियों को भावांतर योजना में पंजीयन, किसानों को मॉडल रेट और समर्थन मूल्य के अंतर का भुगतान नेफ्ट या आरटीजीएस के माध्यम से देने की बात अधिकारियों द्वारा कही गई। इस दौरान व्यापारियों ने बैंको द्वारा नगद राशि कम देने की शिकायत भी प्रशासन से की। उनका कहना था कि बैंके व्यापारियों को परेशान करती हैं। नगदी नहीं होने के कारण कभी भी किसान और व्यापारियों के मध्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस दौरान अनाज व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव, राजेश मित्तल, कमलेश जैन, राजेश जैन, प्रियंक जैन, मनीष जैन तथा पप्पू साहू आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

नर्मदापुरम। छिंदवाड़ा और बैतूल में अमानक कोल्ड्रिफ सिरप पीने से मासूम बच्चों की मौत की घटना को लेकर नर्मदापुरम में गुरुवार को नगर कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। नवजात मासूमों के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेसजनों ने सतसते से लेकर इंदिरा चौक तक कैंडल मार्च निकाला और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेताओं ने इस गंभीर घटना के विरोध में प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग की। उनका कहना था कि मासूमों की मौत सरकारी तंत्र की लापरवाही का परिणाम है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कठोर दंड मिलना चाहिए। कैंडल मार्च में पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा, चन्द्रगोपाल मलैया, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, अनोखी राजोरिया, महेन्द्र शर्मा, महेश पाण्डेय, अजय सैनी, फैजान उल हक़, अजीत बिष्ट, अजय दुबे, अरुण दीक्षित, राजेंद्र मिश्रा, संतोष तोमर, गुलाम हैदर, विजेंद्र राजपूत, गुलाम मुस्तफा, राकेश दुबे, कमलेश बाथरे, सुरज तिवारी, रिजवान खान, हेमंत चौधरी, जिज्जी जोसफ, कुलदीप राठौर सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पति की मारपीट से तंग पत्नी ने की हत्या, महिला गिरफ्तार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ग्राम रोहना में हुए मजदूर राजू धुर्वे की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि मृतक की पत्नी ने ही की थी। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी महिला सेवंती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि राजू धुर्वे शराब के नशे में आए दिन अपनी पत्नी और बच्चों से मारपीट करता था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर सेवंती ने घास काटने की दरांती से गला रेतकर पति की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को खेत में फेंक दिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दरांती और खून से सने कपड़ों को जब्त कर लिया है।

कफ सिरप से मृत बच्चों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा जिले के परासिया में जहरीले कफ सिरप के सेवन से मासूम बच्चों की हुई दर्दनाक मौतों के प्रति कांग्रेस ने गहरा शोक व्यक्त किया। इसी संदर्भ में ब्लॉक नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को जय स्तंभ चौक पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

जिसमें कांग्रेसजनों ने मोमबत्तियां जलाकर मासूम बच्चों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा ने कहा कि यह घटना प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सरकार को तत्काल सख्त कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक प्रभारी अमित मेहता ने कहा यह प्रण ले कि किसी मां की गोद यूं सूनी ना हो मां जो दवाइयां जीवन दायनी समझ कर अपने जिगर के टुकड़े को देती है वह कभी मौत का कारण ना बने उनके जिगर के टुकड़ों के लिए। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, नगरवासी एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर रवि तिवारी, विकास शर्मा, कल्याण नागौरी, बाबू पिंगले, रामकृष्ण दुबे,राजकुमार सेन,राहुल ठाकुर, मणिभाई अहिरवार, पृथ्वी रघुवंशी, सीपी रघुवंशी, अनिल पाठक,रवि साहु उपस्थित रहे।

जय स्तम्भ पर होर्डिंग बैनर लगाए तो होगी कार्रवाई

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्मारक जय स्तंभ चौक पर होर्डिंग बेनर पोस्टर लगाने बालों के ऊपर अब कानूनी कार्रवाई होगी। क्योंकि लोगों ने जय स्तंभ चौक को प्रचार प्रसार का एक स्थान बना लिया था। जिससे राष्ट्रीय स्मारक का अपमान हो रहा था। नगर पालिका परिषद द्वारा जय स्तम्भ चौक पर किसी भी प्रकार के होर्डिंग, पोस्टर, पंपलेट इत्यादि लगाने पर पाबंदी लगा दी गई है। चाहे वे राजनीतिक हो, धार्मिक, सामाजिक हो या फिर निजी। भविष्य में किसी भी तरह के पंपलेट अगर जय स्तम्भ चौक पर लगाए जाते हैं तो संबंधित के खिलाफ नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, एसडीएम संतोष बिटोलिया, सीएमओ रवि प्रकाश श्रीवास्तव आदि के निर्देश पर नपा कर्मियों ने राष्ट्रीय स्मारक मुख्य चौराहा जय स्तम्भ चौक से होडिंग, बैनर इत्यादि हटवाए। साथ ही सभी को सूचना भी दी गई कि अब भविष्य में किसी भी प्रकार के विज्ञापन एवं पोस्टर नही लगाए जाएं।

मेट्रो एंकर नगरपालिका में हुई जनसुनवाई, कई मामलों में दिए जांच करने के निर्देश

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने किया समस्याओं का समाधान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका में जनसुनवाई के दौरान अनेक समस्याओं का समाधान किया गया। जनसुनवाई नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा की गई। उनका समाधान करने तथा जांच योग्य समस्याओं की जांच कराकर समाधान करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी पटले के निर्देश पर जनसुनवाई के दौरान समस्याओं का लगातार निराकरण कर आम नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है। आज जनसुनवाई में आवदेक को विवाह का पंजीयन प्रमाण पत्र तत्काल बनाकर दिया। साथ ही कुछ आवेदकों द्वारा राशन कार्ड से नाम समर्पण करने तथा नाम जोड़ने आदि हेतु आवेदन दिए गए जिन पर तत्काल कार्यवाही की गई। साथ ही नाली निर्माण, पानी निकासी, सफाई और अन्य समस्याओं का निराकरण किया गया। जनसुनवाई के दौरान नपा में नेता पतिपक्ष अनोखे राजोरिया, पार्षद राहुल गौर, रेखा यादव पार्षद प्रतिनिधि पूनम मेषकर, अतुल भंडारी, उपयंत्री अंबक पाराशर, आयुषी रिछारिया, दीक्षा तिवारी, रीना गुप्ता, स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी सहित नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड की धरती से निकली 'जादुई बावड़ी', चमत्कारी पानी से ठीक होने का दावा

सागर, दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड के सागर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां जंगल में खुदाई के दौरान एक रहस्यमई बावड़ी मिली और इस बावड़ी से निकलने वाले पानी को लोग चमत्कारी मान रहे हैं. इस पानी के पीने, नहाने से रोगों के दूर होने का दावा भी कर रहे हैं. कई लोग बोतलों में भरकर ऐसे अपने घर ले जा रहे. पिछले कुछ दिनों से यहां पर एमपी, यूपी के लोग पहुंच रहे हैं. यहां पर सुबह 5 बजे से ही लोगों की भीड़ पहुंच कर स्नान करने में लग जाती है। अब तो आसपास के गांव वालों ने यहां पर नारियल प्रसाद की दुकाने भी खोल ली है. लोग पूजन अर्चन भी करने लगे हैं। हालांकि यह क्षेत्र वन विभाग की सीमा में आता है, जिसके चलते बनकर्मियों ने इन दुकानों को जंगल से हटवा दिया है।

दरअसल, यह मामला मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की बॉर्डर पर स्थित सागर जिले की नोनिया गांव का है, जो जंगल और पहाड़ से लगा हुआ है. कुछ दिन पहले यहां पर एक गमी (मौत) हो गई थी। अंतिम संस्कार करने के बाद एक व्यक्ति घर पर नहाने की बजाय श्मशान घाट के पास से निकले नरवा में नहाने के लिए गए। लेकिन वहां गांव के कुछ और लोग थे वह आगे बड़े तो एक गड्ढा था, जिसमें पानी भरा हुआ था। उन्होंने उसी में हाथ पैर धोए और ऐसे ही नहा लिया। 2 दिन बाद पहलवान पटेल को समझ आया कि अचानक उनके हाथ पैर में जो फोड़ा फुंसी थे वह कुछ ठीक हुए हैं, तो वह दोबारा उसी जगह पर गए. वहां पर उन्होंने फिर नहाया और दो-तीन बार ऐसा किया, तो पूरी तरह से उनका चर्म रोग ठीक हो गया। उन्होंने गांव के लोगों को भी यह बात बताई, तो इन्हीं के गांव के एक रोहित नाम के लड़के की आंख सूजी हुई थी. वह भी ऐसे आजमाने के लिए पहुंच गए। वह अच्छे से चेहरा धोकर लौटे, तो उन्हें भी कुछ आराम महसूस हुआ।

कन्या ने बताया-जंगल में खुदाई करो, वहां मूर्ति दबी है

पहलवान पटेल ने बताया कि नवरात्रि के समय फिर जब एक कन्या को माता के भाव आए जिसने बताया कि जंगल खुदाई करो, वहां पर मेरी मूर्ति दबी हुई है। अब हम लोग खुदाई करने के लिए माता की बताएं स्थान पर आए, तो यहां पहले पत्थर निकला फिर हम लोगों ने खुदाई की तो सीढ़ियां मिली फिर गांव के लोगों को बुलाया सभी ने मिलकर खुदाई शुरू की, तो यहां 10 12 सीढ़ी बाली छोटी बावड़ी मिली है। इस तरह करीब 15 फीट गहरी पुरानी, बावड़ी जिसमें पुरानी लंबी वाली ईंटों से जुड़ाई हैं, पत्थर से सीढ़ियां बनी है और इसमें पानी निकलने लगा अब यह बावड़ी पूरी तरह लबालब भरी हुई है। कई लोगों का कहना है कि इस जल से स्नान करने की बात उन्हें अलग-अलग रोग में आराम मिल रहा है।

अब लगातार बढ़ेगी ठंड, तापमान में तीन डिग्री की गिरावट

गुलाबी सर्दी की दस्तक, अंतिम पड़ाव पर मानसून, गुना में 18 डिग्री तक गिरा पारा

गुना , दोपहर मेट्रो

जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार 10 अक्टूबर से गुना जिले में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा। आसमान पर आंशिक बादल छाए रहेंगे, लेकिन वर्षा की कोई संभावना नहीं है। धीरे-धीरे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। दो दिन के भीतर ही रात का पारा 21 डिग्री से लुढ़ककर 18 पर आ गया। आगे भी न्यूनतम पारे में गिरावट की स्थितियां बन रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिनों में किसी विशेष मौसमी खत्रे की स्थिति नहीं है। हालांकि अगले कुछ दिन में न्यूनतम पारा और गिरेगा, इससे ठंड बढ़ेगी।

11 अक्टूबर से उत्तरी हवाओं का प्रभाव बढ़ने की संभावना है, जिससे रात का तापमान और नीचे गिर सकता है। अनुमान है कि 12 अक्टूबर तक न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन में हल्की धूप और शाम सुबह ठंडी हवाओं का अहसास रहेगा। आने वाले दो से तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट संभव है, जिससे गुना, अशोकनगर, शिवपुरी और राजगढ़ जिलों में गुलाबी सर्दी की शुरुआत महसूस होगी।

ठंड का अहसास बढ़ा, मौसम हुआ सुहावना

कुल मिलाकर, गुना जिले में अब मौसम के मिजाज बदल रहे हैं। मानसून की विदाई के साथ हल्की ठंड और सुहानी धूप का दौर शुरू हो चुका है। सुबह और शाम सर्द हवाओं का अहसास बढ़ने लगा है। मौसम विज्ञानिकों के अनुसार आने वाले हफ्ते में ठंड का असर और गहराएगा, जिससे गुलाबी सर्दी का मौसम पूरे शबाब पर होगा और गुना की सुबह फिर से कोहरे और ओस की ठंडी चादर में लिपटी नजर आएंगी।

7 अक्टूबर को न्यूनतम पारा 21 डिग्री था. इसके अगले दिन यह गिरकर 19.7 डिग्री पर आ गया। गुरुवार को पारा लुढ़कर 18.4 डिग्री पर आया। जब न्यूनतम पारा 20 डिग्री से नीचे जाने लगे तो ठंड की स्थितियां पैदा होने लगती हैं

मानसून की वापसी की स्थितिः पश्चिमी इलाकों में हल्की नमी

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखावर्तमान में वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी और शाहजहांपुर से होकर गुजर रही है, जो गुना से लगभग 100 से 120 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इस रेखा के कारण प्रदेश के मध्य और पश्चिमी इलाको में हल्की नमी बनी हुई है। वहीं, अरब सागर में सक्रिय रहे शक्ति चक्रवात का प्रभाव अब कमजोर पड़ चुका है और यह पश्चिम-मध्य अरब सागर में एक निम्न दबाव क्षेत्र के रूप में शेष है। इसके अलावा, एक पश्चिमी विक्षोभउत्तर-पश्चिम उत्तरप्रदेश और हरियाणा के ऊपर सक्रिय है, जिसका असर मध्य भारत पर सीमित रूप से देखा जा रहा है। देश के अधिकांश हिस्सों से अब मानसून की विदाई शुरू हो चुकी है। गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के अधिकांश क्षेत्रों से अगले तीन से चार दिनों में मानसून पूरी तरह लौट जाएगा। उत्तराखंड के केदारनाथ, बद्रीनाथ, औली और हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है, जिससे उत्तर भारत की ठंडी हवा अब मध्य भारत की ओर बढ़ रही हैं।

गर्लफ्रेंड से मिलने आया नशा तस्कर, पिस्टल के साथ गिरफ्तार, भेजा जेल

शहडोल, दोपहर मेट्रो

नशे के सौदागरों के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी सख्ती के बीच शहडोल पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जिले की कोतवाली पुलिस ने विंध्य क्षेत्र के कुख्यात नशा तस्कर रमेश जायसवाल को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह बदमाश शहडोल अपनी प्रेमिका से मिलने आया था। इश्क के चक्कर में वो सलाखों के पीछे पहुंच गया।

दरअसल, सीधी जिले के थाना रामपुर नैकिन के ग्राम खाड़ा का रहने वाला रमेश जायसवाल लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय था। रमेश जायसवाल प्रतिबंधित कफ सिरप कोरेक्स सप्लाई करता था। उस पर रामपुर नैकिन, अमरपाटन और शहडोल सीधी जिले के कई थानों में 11 से अधिक एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं। पुलिस को उसकी तलाश लंबे समय से थी। लेकिन वह फरार चल रहा था। बीती रात रमेश अपनी प्रेमिका से मिलने शहडोल आया, जहां किसी बात को लेकर उसका प्रेमिका के परिजनों से विवाद हो गया। मामला थाने पहुंचा तो कोतवाली पुलिस ने पूछताछ शुरू की, तलाशी में उसके पास से एक 7.65 एमएमपी की पिस्टल, 13 जिंदा कारतूस, 5 स्मार्ट फोन और एक लग्जरी कार सहित 65 हजार रुपए नगदी बरामद हुई।

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि रमेश विंध्य का सबसे बड़ा कोरेक्स का सप्लायर है। जिसकी तलाश कई जिलों की पुलिस कर रही थी। शहडोल पुलिस की यह कार्यवाही न केवल एक बड़े नशा रैकेट के सिरमौर को बेनकाब करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि प्रेम और अपराध की राह एक साथ नहीं चल सकती। अब पुलिस रमेश जायसवाल से पूछताछ कर रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। रमेश ने पुलिस को बताया कि पिस्टल उसे आशीष गौतम ने दी थी। आशीष गौतम भी रीवा जेल में बंद है। पूरे मामले में शहडोल एडिशनल एसपी अभिषेक दीवान ने कहा कि एनडीपीएस के फरार आरोपी रमेश जायसवाल को कार समेत पकड़ा है।

संपत्ति के लालच में भाई बना कातिल गुमराह करने खुद पर चलवाई गोली

पुलिस की फिरकी में टूट गया फुलप्रूफ प्लान

शिवपुरी, दोपहर मेट्रो

जिले के नरवर थाना क्षेत्र में बीते दिनों किए गए एक मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में सबसे बड़ी बात यह है कि एक भाई ने ही अपने कुछ साथियों के साथ भाई का मर्डर किया और अपने दुश्मनों को फंसाने के लिए खुद को गोली मार घायल कर लिया, लेकिन पुलिस की जांच में सारा खुलासा हो गया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा, दो मोटरसाइकिलें और एक मोबाइल फोन जब्त

किया है। करैरा एसडीओपी आयुष जाखड़ और नरवर थाना प्रभारी विनय यादव ने बताया कि मर्डर की यह घटना 29 सितंबर 2025 को हुई थी। फरियादी वीरेंद्र कोली निवासी ग्राम कांकर ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी थी। उसने रिपोर्ट में बताया था कि राजू कोली, ओमप्रकाश कोली, सुंदर कोली, मलखान कोली और मनीष कोली नाम के पांच लोगों ने उसके भाई राजकिशोर कोली की गोली मारकर हत्या कर दी और उसे भी पैर में गोली मारी। नरवर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

डिंडोरी में शिक्षक को नशे में स्कूल पहुंचने पर किया सस्पेंड

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

जिले के मेहदवानी विकासखंड स्थित सरसी एकीकृत माध्यमिक शाला के शिक्षक जनु राम धुर्वे को निलंबित कर दिया गया है। उन पर शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाने का आरोप है। यह कार्रवाई जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार जाटव ने की है। निलंबन आदेश के अनुसार, 8 सितंबर को संकुल प्राचार्य आर के चंद्रोल ने स्कूल का निरीक्षण किया था। इस दौरान शिक्षक जनु राम धुर्वे शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाते हुए पाए गए। यह कृत्य मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना गया है। निलंबन अवधि के दौरान शिक्षक जनु राम धुर्वे को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

प्रगत संगणन विकास केंद्र
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
सीडैक CDAC

हमसे जुड़ें
हम भर्ती कर रहें हैं
प्रतिभाओं की खोज
रोमांचक और चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए

वैज्ञानिक और तकनीकी पद

परियोजना सहयोगी
(नवागत / अनुभवी)
परियोजना अभियंता
(नवागत / अनुभवी)
वरिष्ठ परियोजना अभियंता / परियोजना नेतृत्वकर्ता / मॉड्यूल नेतृत्वकर्ता
(न्यूनतम ४ वर्षों का अनुभव)
परियोजना प्रबंधक / परियोजना वितरण प्रबंधक / प्रोग्राम प्रबंधक / ज्ञान सहभागी(नॉलेज पार्टनर)
(न्यूनतम ९ वर्षों का अनुभव)

योग्यता
1. बीई/बीटेक या समकक्ष डिग्री
2. विज्ञान/ कंप्यूटर अनुप्रयोग या प्रासंगिक डोमेन में स्नातकोत्तर डिग्री
3. एम.ई./एम.टेक या समकक्ष डिग्री
4. पीएच.डी.

परियोजना सहायक
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 1 या अधिक वर्षों का अनुभव)
परियोजना तकनीशियन
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम ४ या अधिक वर्षों का अनुभव)

योग्यता
१.आईटीआई/ एनसीवीची प्रासंगिक तकनीकी क्षेत्र में प्रमाणपत्र
२.अभियांत्रिकी डिप्लोमा (प्रासंगिक डोमेन में)
३.कंप्यूटर विज्ञान / ईलेक्ट्रॉनिक्स / आईटी / कंप्यूटर अनुप्रयोग क्षेत्र में स्नातक डिग्री

गैर-तकनीकी पद

परियोजना सहायता स्टाफ
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 0 - 3 वर्ष का अनुभव)
परियोजना अधिकारी
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 0 - 3 वर्ष का अनुभव)
(कार्य) सहयोगी
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम ४ या अधिक वर्षों का अनुभव)

योग्यता
1. कम से कम 50% अंकों के साथ स्नातक
2. पोस्ट ग्रेजुएट
3. सीए / एलएलएम/ सीएस/सीएमए
4. प्रासंगिक क्षेत्र में दो साल का पूर्णकालिक एमबीए / प्रासंगिक क्षेत्र में स्नातकोत्तर पेशेवर योग्यता /इंटर सीए / इंटर सीएमए

भारत में विभिन्न स्थलों के लिए
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि – 20 अक्तूबर 2025
विस्तृत विज्ञापन और आवेदन करने के लिए www.cdac.in के CAREERS पृष्ठ पर जाएं।

ADVT.NO.CORP/JIT/07/2025
कार्पोरेट मानव संसाधन विकास
राष्ट्रीय उन्नति के लिए प्रौद्योगिकी उन्नति
cbc06132/12/0020/2526

मेट्रो एंकर उमंग सिंघार ने पूरा किया वादा, वापस दिलाया ऑटो, मिलेगी राहत

बेटे के इलाज के लिए यासिन ने बेच दिया था ऑटो नेता प्रतिपक्ष के एक प्रयास से चेहरे पर लौटी मुस्कान

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के परासिया में जहरीली कफ सिरप पीने से 20 से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। उन्हीं परिवारों में से एक यासीन खान ने अपने बेटे के इलाज के लिए अपना ऑटो तक बेच दिया था। लेकिन मासूम बच्चे की जान नहीं बच पाई। ऐसे कई परिवार हैं जिन्होंने अपने कलेजे के टुकड़े को बचाने के लिए लाखों खर्च कर दिया।

इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस मुद्दे पर बीजेपी सरकार को लगातार घेर रही है। 8 अक्टूबर को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार परासिया में पीड़ित परिवारों का दुख बांटने छिंदवाड़ा पहुंचे तो यासीन ने अपना दुख नेता उनके सामने व्यक्त किया। उमंग सिंघार ने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। आज अपने वादे को पूरा करते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने यासीन खान का ऑटो उन्हें वापस दिलाया है। ऑटो मिलने के बाद यासीन को राहत मिलेगी। सिंघार ने कहा कि यह

केवल एक वाहन नहीं, बल्कि यासीन की मेहनत, आत्मसम्मान और संघर्ष का प्रतीक है। हमने केवल यह सुनिश्चित किया कि उनकी आजीविका फिर से पटरी पर लौट सके।

महिला विश्व कप, दक्षिण अफ्रीका ने रोका भारत का विजय रथ

हार पर भड़कीं कप्तान हरमनप्रीत कौर, टॉप आर्डर पर फोड़ा ठीकरा

विशाखापत्तनम , एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच विशाखापत्तनम में गुरुवार (9 अक्टूबर) को वुमेंस वर्ल्ड कप का मैच हुआ। जहां भारतीय टीम को 3 विकेट से हार मिली। ऋचा घोष की 77 गेंदों में खेली गई 94 रनों की शानदार पारी बेकार गई, ऋचा पर नादिन डिक्लर्क (84 नाबाद) की पारी भारी पड़ गई। 252 रनों का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड (70 रन), क्लो ट्रायोन (49 रन) और नादिन डिक्लर्क की मैच जिताऊ पारी पर टिकी रही। डिक्लर्क ने सिर्फ 54 गेंदों में 84 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 8 चौके शामिल थे। इस तरह अफ्रीकी टीम ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर 252 रन बना लिए। भारत की ओर से ऋचा घोष ने 77 गेंदों में 94 रन ठोके और टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। भारत की शुरुआत अच्छी रही थी, लेकिन 55 बिना नुकसान से स्कोर 26वें ओवर में 102/6 हो गया। ऐसे में ऋचा ने जोरदार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौके और 4 छक्के लगाए, जिससे टीम 49.5 ओवर में 251 रन तक पहुंच सकी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत की टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी नहीं दिखाई। महिला वर्ल्ड कप के इस मैच में भारत को तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ÷हम टॉप ऑर्डर के तौर पर जिम्मेदारी नहीं ले सके। हमें चीजें बदलनी होंगी और बड़ी पारियां खेलनी होंगी। टूर्नामेंट लंबा है, हमें पॉजिटिव रहना होगा। ये मुश्किल मैच था, लेकिन इससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। खुद हरनमप्रीत ने मैच में 24 गेंदों पर 9 रन बनाए। वहीं हरलीन देओल (13), जेमिमा रोड्रिग्स (0) और दीप्ति शर्मा (4) बल्ले से फ्लॉप रहीं।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में इतिहास रच दिया। मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंधाना ने 33 गेंदों पर 23 रन बनाए। इस दौरान 11वां रन बनाते ही वह एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। मंधाना ने इस साल 17 वनडे मैचों की 17 पारियों में 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाते हुए 982 रन बनाए हैं। पूर्व का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई ब्लेंडा क्लार्क के नाम था।

क्लार्क ने 1997 में 970 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 2022 में 882 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के पास एक कैलेंडर वर्ष में 1000 या उससे अधिक रन बनाने का मौका है।

टीम इंडिया के नए कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित की कैप्टेंसी शुभमन को पहले से पता था!

नई दिल्ली , एजेंसी

शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं। 4 अक्टूबर को गि?ल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी। वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे।

सवाल यह है कि आखिर उनकी शार्गिदी में खेले टीम इंडिया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया। सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे? इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी। वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे में थोड़ा पहले ही पता चल गया था। भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: गिल

शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं।

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है। दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं। कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं। दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे। गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं। बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है।

गिल के साथ कैसी है गंभीर की बॉन्डिंग

इसके साथ ही गिल ने हेड कोच गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की। उन्होंने कहा, ÷हमारे बीच बहुत अच्छी बातचीत होती है। हम इस पर चर्चा करते हैं कि खिलाड़ियों को कैसे सुरक्षित महसूस कराया जाए और तेज गेंदबाजों का मजबूत पूल कैसे तैयार किया जाए।÷ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुभमन गिल की कप्तानी में नई भारतीय टीम की शुरुआत अब सबकी निगाहों में रहेगी। 25 साल के गिल पहले से ही टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे हैं। अब वो 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान के रूप में उतरेंगे।

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने की तारीफ

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी अब केएल राहुल पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है।

जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास

आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है। अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं।

वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं। इस साल उन्हें निरंतरता बनाए रखते देखना उत्साहजनक है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में राहुल ने शतक लगाया था। उन्होंने 100 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड दौरे पर राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। पांच टेस्ट मैचों की 10 पारियों में दो शतक और दो अर्धशतक लगाते हुए 532 रन बनाए थे। केएल राहुल मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में मैक्सवेल कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। पहले दो मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का चयन नहीं हुआ है, लेकिन बाकी तीन मैचों में यह स्टार खिलाड़ी वापसी कर सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी-20 मैच 29 अक्टूबर को कैनबरा में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने दो टी-20 मैचों के लिए टीम की घोषणा कर दी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भरोसा जताया है कि वे बाकी मैचों में वापसी करेंगे। अपनी कलाई की फ्रैक्चर सर्जरी के बाद उन्होंने रिकवरी अपडेट देते हुए कहा कि वह 29 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज के आखिरी तीन मैचों में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। पिछले हफ्ते हुई सर्जरी के बाद वह रिकवरी की राह पर हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि इससे उनकी वापसी में तेजी आएगी।

आखिरी मैच में खेलने की उम्मीद

मैक्सवेल ने मेलबर्न में पत्रकारों से कहा, सर्जरी के बाद मुझे भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैचों में खेलने की उम्मीद है, बशर्ते मैं समय पर फिट हो जाऊं। मेरे सामने दो विकल्प थे—या तो सीरीज को पूरी तरह छोड़ दूं और सर्जरी से बचूं या सर्जरी करवाकर थोड़ी-सी संभावना बनाए रखूं। मैंने सर्जरी का विकल्प चुना ताकि बिग बैश लीग से पहले तैयार हो सकूं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

भारत ने पहली बार जीता मिसेज यूनिवर्स का खिताब,

शैरी सिंह ने 120 कंटेस्टेंट्स को हराकर पहना क्राउन, शेयर की खुशी

मुंबई। भारत ने इंटरनेशनल पेजेंट कंपीटिशन में मिसेज यूनिवर्स का खिताब जीत इतिहास रच दिया है। मिसेज यूनिवर्स का क्राउन भारत की शेरी सिंह ने जीता है। भारत ने इस तरह का खिताब पहली बार जीता है। यह 48वां मिसेज यूनिवर्स पेजेंट कंपीटिशन था, जिसका आयोजन फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुआ। इस कंपीटिशन में दुनियाभर की 120 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। इस कंपीटिश में उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग की कंपीटिटर को हराया। शैरी ने इस कंपीटिशन में हिस्सा 'मिसेज इंडिया 2025' का खिताब जीतने के बाद लिया था।

मिसेज यूनिवर्स पेजेंट में शैरी सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया और जीत हासिल की। शैरी ने अपने कॉन्फिडेंस, इंटेलीजेंस, महिलाओं के सशक्तिकरण और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस पर जोर देकर जजों को प्रभावित किया। स्टेज पर उनके कॉन्फिडेंस और प्रेजेंस ने ऑडियंस और जजों के पैनल मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे उन्हें इस ग्लैमर और भावनाओं से भरी रात में टॉप सम्मान यानी क्राउन मिला। मिसेज यूनिवर्स पेजेंट में कंटेस्टेंट्स के बीच टफ कंपीटिशन था। इसमें अलग-अलग देशों की शादीशुदा महिलाएं शामिल हुई थीं।

शैरी सिंह ने लहराया भारत का तिरंगा झंडा

भारत की शैरी सिंह ने क्राउन जीतकर टॉप जगह हासिल की। जबकी सेंट पीटर्सबर्ग दूसरे नंबर पर, तीसरे नंबर पर फिलीपींस और चौथे नंबर रूस रहा। अन्य फाइनलिस्टों में मार्गरीटा आइलैंड, यूएसए, साउथ वेस्ट एशिया, कैलिफोर्निया, बुल्गारिया, म्यांमार, पैसिफिक, बुर्यातिया, अफ्रीका, यूएई, दुबई, जापान, नॉर्थ फिलीपींस, यूरेशिया, यूक्रेन, लक्जमबर्ग, सेंट्रल यूरोप, कैस्पियन सी, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट यूरोप शामिल थे। ताज पहनने के कुछ ही क्षण बाद, भावुक शैरी सिंह ने कहा, ÷यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, यह हर उस महिला की है जिसने कभी सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत की है। मैं दुनिया को दिखाना चाहती थी कि सच्ची सुंदरता को ताकत, दयालुता और सहनशीलता परिभाषित करती है।÷ यूएमबी पेजेंट्स की राष्ट्रीय निदेशक उर्मिमाला बोरुआ ने कहा, ÷हमें हमेशा शैरी की क्षमता पर विश्वास था।

अंजना ने ऑनस्क्रीन पति पर तान दी गन, 30 दिनों के लिए कर दी नई-नई साड़ी की डिमांड

नई दिल्ली । भोजपुरी सिनेमा की हॉट केक कही जाने वाली एक्ट्रेस अंजना सिंह सिनेमा में अपनी फिल्मों से फैंस का दिल जीतने का एक मौका नहीं छोड़ रही हैं। उनका नया गाना साड़ी ए बलम रिलीज हो गया है। एक्ट्रेस की फिल्में इतनी पारिवारिक होती हैं कि बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक फिल्म को बिना हिचकिचाहट के देख सकते हैं। अब एक्ट्रेस फिल्म को लेकर नहीं बल्कि अपने नए गानों को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। अंजना सिंह का नया गाना साड़ी ए बलम रिलीज हो चुका है और सोशल मीडिया पर गर्दा उड़ा रहा है। गाने में अंजना प्रशांत सिंह के साथ दिख रही हैं। गाने में एक्ट्रेस अपने ऑनस्क्रीन पति प्रशांत सिंह को गन दिखाकर नई-नई साड़ियों की डिमांड कर रही हैं और कह रही हैं कि महीने के 30 दिन उन्हें अलग-अलग रंग की साड़ी चाहिए। बेचारे प्रशांत सिंह को भी डर की वजह से अंजना को साड़ी दिलाने के लिए हां करनी पड़ती है। गाने को आरती भारद्वाज ने गाया है और गाने के लिरिक्स यादव नीरज ने लिखे हैं। गाने को एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल चैनल अंजना सिंह व्लॉग पर शेयर किया है। फैंस भी गाने को अच्छा रिस्पॉन्स दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ÷वाह, करवाचौथ से पहले ही ऐसा गानाज्अब पत्नियां ऐसे ही अपने पति से डिमांड करेंगी।÷

मेट्रो बाजार

एचएसबीसी ने भारत में लॉन्च की इनोवेशन बैंकिंग

नई दिल्ली । एचएसबीसी इंडिया ने गुरुवार को भारत में इनोवेशन बैंकिंग को लॉन्च किया। इसके जरिए बैंक कारोबारियों को उनके व्यापारों को आगे बढ़ाने में (शुरुआत से लेकर आईपीओ तक) में मदद करेगी। बैंक ने प्रेस रिलीज में कहा कि एचएसबीसी इंडिया भारतीय स्टार्टअप्स को सहयोग देने के लिए 1 अरब डॉलर की नॉन-डिलयूटिव डेट आवंटित करने की योजना बना रहा है। यह फंडिंग शुरुआती से लेकर अंतिम चरण की ग्रोथ कंपनियों को टारगेट करती है जिससे वे अपनी इक्विटी को कम किए बिना अपने परिचालन का विस्तार कर सकें, जिससे संस्थापकों और निवेशकों को अपने व्यवसायों पर अधिक नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलेगी। एचएसबीसी इंडिया की ओर से आगे कहा गया कि वेंचर कैपिटल और घरेलू निजी इक्विटी फंडों में फंड फाइनेंसिंग के लिए उसकी बैलेंस शीट में पहले से ही पर्याप्त आवंटन है। इनोवेशन बैंकिंग की शुरुआत के साथ, बैंक का लक्ष्य इस पेशकश का विस्तार करना है, जिसमें फंड और प्रस्तावों की एक बड़ी रेंज शामिल होगी। बैंक ने घोषणा की कि भारत में इसकी शुरुआत से उसके ग्लोबल इनोवेशन बैंकिंग प्लेटफॉर्म का विस्तार होगा, जो दुनिया भर में 900 से अधिक विशेषज्ञों के माध्यम से फंडिंग और कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। एचएसबीसी इनोवेशन बैंकिंग के ग्लोबल हेड, डेविड सबो ने कहा कि 1 अरब डॉलर का यह आवंटन भारत की इनोवेशन इकोनॉमी, रोजगार सृजन और कौशल विकास के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली । मजबूत घरेलू मांग और इन्वेस्टर सेंटीमेंट से भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में तेजी से बढ़ा है। यह जानकारी एक सर्वेक्षण में दी गई। इंडस्ट्री बॉडी फिक्की की ओर से जारी किए गए सर्वेक्षण में बताया गया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में 87 प्रतिशत मैन्युफैक्चरर्स ने उच्च और स्थिर उत्पादन स्तरों को रिपोर्ट किया है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाली 83 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण आने वाले महीनों में मांग में इजाफा देखने को मिल सकता है और सेक्टर अपनी 75 प्रतिशत क्षमता पर कार्य कर रहा है, जो कि उत्पादन की स्थिरता को दिखाता है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाली 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने बताया कि वे अगले छह महीनों में नए प्रोजेक्ट्स या नई क्षमता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। हालांकि, मैन्युफैक्चरर्स को अभी भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें उच्च इनपुट लागत, अस्थिर भूराजनीति, व्यापार बाधाएं और कुछ बाजारों में कुशल श्रमिकों की कमी शामिल है। 50 प्रतिशत से अधिक व्यवसायों ने पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि दर्ज की, जिसके मुख्य कारण मेटल, बल्क केमिकल, एनर्जी, लॉजिस्टिक्स और लेबर की बढ़ती कीमतें हैं। सर्वेक्षण में बताया गया है कि 81 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनके पास कार्यशील पूंजी और दीर्घकालिक जरूरतों, दोनों के लिए बैंक लोन की पर्याप्त पहुंच है, जबकि मैन्युफैक्चरर्स के लिए एवरेज लोन रेट 8.9 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में बताया गया कि केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री निर्यात को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव

एनडीए में सीट शेयरिंग पर उलझी बात

22 सीटों का ऑफर मंजूर नहीं, एलजेपी संसदीय बोर्ड की प्रस्तावित बैठक टली

भाजपा से रूठे चिराग जिद पर अड़े

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी की पटना से लेकर दिल्ली तक हलचल है। कहीं टिकट मांगने वाले कैंडिडेट जुट रहे हैं तो कहीं सीट शेयरिंग पर बैठकों का दौर जारी है। महागठबंधन और एनडीए दोनों में सीट शेयरिंग का मामला फंसा हैं। अब तक दोनों खेमों ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि, प्रशांत किशोर की जन सुराज ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। महागठबंधन में मुकेश सहनी तो एनडीए में चिराग पासवान की वजह से सीट शेयरिंग का पेच फंसा हुआ है। हालांकि, ज्यादा माथापच्ची एनडीए में ही दिख रही है। चिराग पासवान संग पटना से लेकर दिल्ली तक कई दौर की बैठक हो गई, मगर अब तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नहीं बन पाया है।

बीते दो दिनों में चिराग पासवान ने भाजपा को खूब छकाया है। उनके घर पर कई भाजपा नेता दौड़ लगा चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि सीटों के बंटवारे के मसले पर चिराग पासवान नाराज हैं। वह भाजपा से रुठे हुए हैं। यही वजह है कि बिहार चुनाव के निर्णायक मोड़ पर उन्हें मनाने की लगातार कोशिश हो रही है मगर सारी कोशिशें अब तक नाकाम ही दिख रही हैं। चिराग पासवान के घर भाजपा नेताओं का आना-जाना लगा रहा। चिराग संग धर्मेंद्र प्रधान और नित्यानंद राय ने गुरुवार को बैठक की। यह तीसरे दौर की बैठक थी। बैठक में बीजेपी के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, नित्यानंद राय और चिराग पासवान मौजूद थे। इससे

पहले गुरुवार को ही नित्यानंद राय दो बार चिराग पासवान के घर जा चुके थे। जब दूसरे दौर की नित्यानंद राय और चिराग पासवान की बैठक हुई, उसके बाद नित्यानंद राय ने धर्मेंद्र प्रधान के घर जाकर सभी डेवलपमेंट उन्हें ब्रीफ किया था. इसके बाद एक बार फिर बीजेपी नेता धर्मेंद्र प्रधान और नित्यानंद राय चिराग पासवान के घर पहुंचे थे। दिल्ली में सबसे पहले विनोद तावड़े और धर्मेंद्र प्रधान ने चिराग पासवान से मुलाकात की थी। इसके बाद चिराग पटना के लिए रवाना हुए थे। इससे पहले चिराग अपने पिता राम विलास पासवान की पुण्यतिथि पर पटना आए थे। दिल्ली लौटने से पहले उनसे मंगल पांडेय मिले थे। बीजेपी की तरफ से 22 सीटों का ऑफर है जो चिराग को मंजूर नहीं। उन्होंने 30 से 35 सीटों की मांग रखी है।

राजद-कांग्रेस में 5 सीटों पर नहीं सहमति

इधर, बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन में कई दौर की बैठकों के बाद भी राजद और कांग्रेस के बीच पांच सीटों पर असहमति के कारण सीट शेयरिंग पर बात नहीं बन पाई है। सूत्रों की मानें तो ये पांच सीटें- बैसी (पूर्णिया), बहादुरगंज (किशनगंज), रानीगंज (अररिया), कहलगांव (भागलपुर) और सहरसा हैं। साल 2020 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में राजद ने रानीगंज, सहरसा और बैसी से चुनाव लड़ा, जबकि कहलगांव और बहादुरगंज कांग्रेस के खाते में गए। इन सीटों पर दोनों ही दलों को हार का सामना करना पड़ा था। सूत्रों ने बताया कि राजद कांग्रेस से कहलगांव और बहादुरगंज सीट चाहती है जबकि कांग्रेस इनके बदले रानीगंज, सहरसा और बैसी की डिमांड कर रही है। दोनों पार्टियों के बीच बातचीत में शामिल एक सूत्र ने बताया, बातचीत घंटों चली है, लेकिन पांच सीटें ऐसी हैं जिन पर राजद और कांग्रेस अभी भी आम सहमति बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस समय कोई भी पार्टी एक भी सीट नहीं छोड़ना चाहती क्योंकि सहयोगी दल बढ़ गए हैं और हर पार्टी को सीटों की संख्या कम करनी होगी। दोनों दलों के बीच हुई अब तक की बातचीत की जानकारी रखने वाले एक नेता ने बताया कि राजद

कांग्रेस को विश्वास में लिए बिना ही कहलगांव के टिकट का वादा एक यादव उम्मीदवार से कर चुकी है। इसी वजह से कांग्रेस नाराज है। तेजस्वी यादव ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कहलगांव से की, यह भी कांग्रेस को नागवार गुजरा। रैली में तेजस्वी यादव के के साथ झारखंड के मंत्री सजंय यादव के बेटे रजनीश यादव थे। माना जा रहा है कि राजद कहलगांव में उनपर ही दांव लगाना चाहती है।

OLA-UBER को चुनौती देने उतरी जयपुर कैब ऐप

जयपुर, एजेंसी

शहर में कैब कंपनियों के बीच टकराव का नया दौर शुरू हो गया है. इस बार मामला यात्रियों की सुविधा और टैक्सी चालकों के हित से जुड़ा है. निजी कैब कंपनियों के बढ़ते दबदबे और भारी कमीशन से परेशान जयपुर के टैक्सी चालकों ने खुद की एक नई एप बना ली है, जिसका नाम रखा गया है 'जयपुर कैब एप'। दावा किया जा रहा है कि इस एप के जरिए यात्रियों को सस्ती राइड और चालकों को बेहतर कमाई का मौका मिलेगा। लेकिन फिलहाल इस नई पहल को सरकारी मंजूरी नहीं मिली है। जयपुर कैब एप से अब तक करीब चार हजार टैक्सी चालक जुड़ चुके हैं। इन चालकों का कहना है कि निजी कैब कंपनियां जैसे ओला और ऊबर यात्रियों से ज्यादा किराया वसूलती हैं और चालकों को बहुत कम हिस्सा देती हैं. यही वजह है कि उन्होंने मिलकर एक लोकल एप तैयार की है, जिससे सीधा फायदा स्थानीय ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को हो सके। हालांकि, परिवहन विभाग ने फिलहाल इस एप को लाइसेंस नहीं दिया है। विभाग का कहना है कि किसी भी ऐसी एप को मान्यता तभी दी जा सकती है जब उसके पास 'एग्रीगेटर लाइसेंस' हो। परिवहन विभाग के अधिकारी के मुताबिक, जयपुर कैब एप का प्रस्ताव विचाराधीन है।

अमेरिका से इस्लामाबाद आया आईएमएफ का डेलिगेशन बिना समझौता वापस लौटा

IMF ने पाकिस्तान को और भीख देने से किया इनकार, बोला- पहले पुराने वादे टाइम से पूरे करो

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के आर्थिक सुधार प्रयासों को बड़ा झटका लगा है. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) मिशन ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-लेवल एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए बिना ही वाशिंगटन लौटने का फैसला किया है। इसका सीधा मतलब है कि पाकिस्तान को अब फिलहाल करीब 1 बिलियन डॉलर की अगली किस्त नहीं मिलेगी। दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद समझौता अधूरा रह गया। पाकिस्तान ने कहा कि उसे कुछ पुराने वादों और संरचनात्मक सुधारों को पूरा करने के लिए थोड़ा समय

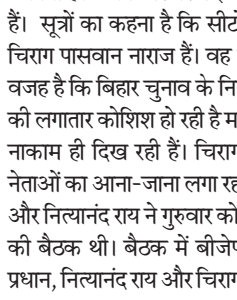

चाहिए। लेकिन आईएमएफ उसकी ये मांग भी खारिज कर दी। आईएमएफ का कहना है कि प्रगति हुई है, लेकिन समझौता फाइनल करने के लिए यह पर्याप्त नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक IMF ने पाकिस्तान के 2025-26 के बजट में रक्षा खर्च में 20 प्रतिशत की वृद्धि और पिछले छह महीनों में करीब 2 से 2.5 बिलियन डॉलर के अस्पष्ट खर्चों पर गहरी चिंता जताई है (इन तथ्यों ने आईएमएफ के मन में पाकिस्तान के वित्तीय अनुशासन को लेकर संदेह और बढ़ा दिया। आईएमएफ ने यह भी पूछा कि आखिर सरकार ने स्पेशल सिक्योरिटी फंड जैसी नई फाइनेंशियल स्ट्रक्चर्स क्यों बनाए, जिनके उपयोग और रिपोर्टिंग में पारदर्शिता नहीं है. सूत्रों का कहना है कि इन सवालों का पाकिस्तान की टीम कोई ठोस जवाब नहीं दे सकी।

समझौता टला तो झटके पर झटका

आईएमएफ टीम के साइन किए बिना लौटने का असर यह है कि पाकिस्तान अब IMF फंड्स तक पहुंच नहीं बना पाएगा, और न ही दूसरे वैश्विक संस्थानों से कर्ज या राहत हासिल कर सकेगा. यह स्थिति पाकिस्तान के लिए गंभीर है क्योंकि विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता बनाए रखने के लिए ये रकम जरूरी थी. खुफिया सूत्रों का कहना है कि इस घटनाक्रम से न केवल नीति स्तर पर अनिश्चितता बढ़ेगी। बल्कि निवेशक भरोसा भी कमजोर होगा। कई मार्केट एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तानी रुपया कमजोर हो सकता है और स्थानीय बाजारों में गिरावट देखने को मिल सकती है।

इस्लामाबाद का बचाव

हम पर दोहरी मार

पाकिस्तानी अधिकारियों ने IMF टीम को बताया कि देश हाल में भारी बाढ़ और भारत के साथ मई 2025 में हुए सीमित संघर्ष की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहा है। सरकार का कहना है कि इन वजहों से वित्तीय लक्ष्य पूरे करना और खर्च नियंत्रण में रखना मुश्किल हो गया। हालांकि IMF ने इस पर सहानुभूति जताई, लेकिन रेवेन्यू कलेक्शन और बजट डिसिप्लिन को लेकर पाकिस्तान की क्षमता पर भरोसा जताने से इनकार कर दिया।

भारत ने पहली बार जीता मिसेज यूनिवर्स का खिताब

शैरी सिंह ने 120 कंटेस्टेंट्स को हराकर पहना क्राउन, शेयर की खुशी

मुंबई, दोपहर मेट्रो

भारत ने इंटरनेशनल पेजेंट कंपीटिशन में मिसेज यूनिवर्स का खिताब जीत इतिहास रच दिया है. मिसेज यूनिवर्स का क्राउन भारत की शेरी सिंह ने जीता है। भारत ने इस तरह का खिताब पहली बार जीता है. यह 48वां मिसेज यूनिवर्स पेजेंट कंपीटिशन था, जिसका आयोजन फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुआ. इस कंपीटिशन में दुनियाभर की 120 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। इस कंपीटिश में उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग की कंपीटिटर को हराया। शैरी ने इस कंपीटिशन में हिस्सा 'मिसेज इंडिया 2025' का खिताब जीतने के बाद लिया था।

मिसेज यूनिवर्स पेजेंट में शैरी सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया और जीत हासिल की। शैरी ने अपने कॉन्फिडेंस, इंटेलीजेंस, महिलाओं के सशक्तिकरण और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस पर जोर देकर जजों को प्रभावित किया। स्टेज पर उनके कॉन्फिडेंस और प्रेजेंस ने ऑडियंस और जजों के पैनल मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे उन्हें इस ग्लैमर और भावनाओं से भरी रात में टॉप सम्मान यानी क्राउन मिला।

मिसेज यूनिवर्स पेजेंट में कंटेस्टेंट्स के बीच टफ कंपीटिशन था। इसमें अलग-अलग देशों की शादीशुदा महिलाएं शामिल हुई थी। भारत की शैरी सिंह ने क्राउन जीतकर टॉप जगह हासिल की। जबकी सेंट पीटर्सबर्ग दूसरे नंबर पर, तीसरे नंबर पर फिलीपींस और चौथे नंबर रूस रहा। अन्य फाइनलिस्टों में मार्गरीटा आइलैंड, यूएसए, साउथ वेस्ट एशिया, कैलिफोर्निया, बुल्गारिया, म्यांमार, पैसिफिक, बुर्यातिया, अफ्रीका, यूएई, दुबई, जापान, नॉर्थ फिलीपींस, यूरेशिया, यूक्रेन, लक्जमबर्ग, सेंट्रल यूरोप, कैस्पियन सी, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट यूरोप शामिल थे।

चेन्नई में पीटीआई दफ्तर को बम की धमकी; प्रतिबंधित संगठन का सदस्य गिरफ्तार

तमिलनाडु, एजेंसी

चेन्नई के कोडंबक्कम इलाके में स्थित देश की प्रमुख समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के दफ्तर को शुक्रवार को बम की धमकी मिली। पुलिस ने जानकारी दी कि उन्हें धमकी की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए दफ्तर में मौजूद कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि पुलिस ने यह नहीं बताया कि धमकी किसने और कैसे दी। दफ्तर को खाली कराने के बाद बम निरोधक दस्ते को जांच के लिए बुलाया गया, जो कार्यालय परिसर की गहन तलाशी ले रहा है। मामले की जांच जारी है। अब तक किसी विस्फोटक की पुष्टि नहीं हुई है। मणिपुर के इम्फाल वेस्ट जिले से सुरक्षा बलों ने एक प्रतिबंधित संगठन के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी। गिरफ्तार शख्स कंगलेई यावल कनना लूप नामक प्रतिबंधित संगठन का स्वघोषित सार्जेंट बताया गया है। सुरक्षा बल लगातार प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन कर रहे हैं। गुरुवार को इम्फाल ईस्ट और ककचिंग जिलों से 13 हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। मणिपुर में दो साल से जातीय हिंसा जारी है, जिसमें अब तक 260 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

कांग्रेस के आरोपों के बीच एनपीपी अध्यक्ष संगमा बोले-

मणिपुर को तोड़ने के पक्ष में नहीं

शिलॉन्ग, एजेंसी

मणिपुर में जातीय हिंसा को दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक उत्तर पूर्वी राज्य में पूरी तरह से शांति नहीं आ सकी है। शांति स्थापित करने के लिए सरकार की तरफ से कई कोशिशें की गईं, लेकिन कई संगठन राज्य का बंटवारा करने की सलाह दे रहे हैं। इस बीच राज्य में शांति के प्रयासों पर चर्चा के लिए गुरुवार को मेघालय के सीएम और एनपीपी अध्यक्ष कोनराड संगमा ने मणिपुर के गवर्नर अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की।

गवर्नर से मुलाकात के बाद शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कोनराड संगमा ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि मणिपुर की क्षेत्रीय एकता को बनाए रखा जाना चाहिए और हमारी पार्टी मणिपुर का बंटवारा करने के पक्ष में नहीं है। हमारा मानना है कि सहमति बन सकती है और ये बातचीत से ही संभव है। मणिपुर में जातीय हिंसा को लंबा समय बीत चुका है और ये सभी नेताओं की जिम्मेदारी है कि आगे बढ़ने के लिए कोई रास्ता निकाला जाए। संगमा ने कहा कि मैंने कल मणिपुर के राज्यपाल से मुलाकात की। हमने विभिन्न संगठनों से मिले सुझावों पर चर्चा की। इस बात पर भी चर्चा हुई कि मणिपुर सरकार और भारत सरकार सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए क्या कर सकती हैं। सकारात्मक चर्चा हुई।

मेट्रो एंकर पहली मुलाकात के बाद 4 साल बाद नहीं मिले थे दोनों , गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज रिश्ता

जल्द तलाक के बढ़ते चलन के बीच इस कपल ने 84 साल की शादी का बनाया रिकॉर्ड, 13 बच्चे व 100 से ज्यादा पोता-पोती

साओ पाउलो, एजेंसी

अक्सर कहा जाता है कि प्यार करना आसान है, लेकिन शादी करना कठिन काम है। लेकिन ब्राजील में एक जोड़े ने लंबी और खुशहाल शादी के लिए कोड तैयार कर लिया है। यह हैं 105 साल के मैनोएल एंजेलिम डिनो और उनकी 101 उम्र की पत्नी मारिया डी सूसा डिनो, जिन्होंने लंबे वक्त की शादी का रिकॉर्ड बनाया है। दरअसल कपल ने जीवित जोड़े के बीच सबसे लंबी शादी निभाने का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। मैनोएल और मारिया की शादी को 84 साल हो गए हैं और उनके 100 से अधिक पोते-पोतियां हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, मनोएल का जन्म 1919 में हुआ था और उनकी पत्नी मारिया का जन्म 1923 में हुआ था। दोनों की अचानक मुलाकात 1936 में हुई, जब वे अपने-अपने परिवारों के लिए खेती का काम कर रहे थे। उस

समय, मैनोएल ने रैपडुरस नामक पारंपरिक ब्राजीलियाई कैंडी की एक खेप लेने के लिए ब्राजील के बोआ वियाजेम जिले में गए थे। तब उनकी पहली बार मारिया से मुलाकात हुई। हालाँकि, कॉन्टेक्ट में नहीं रहे। लगभग 4 साल बाद, मैनोएल दूसरी बार मारिया से मिले और तभी रिश्ता आगे बढ़ा।

कमिटमेंट है खुशहाली का राज़

जब इस जोड़े की लंबी और खुशहाल शादी का राज पूछा गया तो मारिया ने खुलासा किया कि लंबी और खुशहाल शादी का एकमात्र रहस्य प्यार है। मनोएल और मारिया के दिल को छू लेने वाले प्यार और एक-दूसरे के लिए कमिटमेंट में यह रिश्ता इतना लंबा चला।

मैनोएन ने अपना प्यार किया साबित

मैनोएल को मारिया से प्यार हो गया और उन्होंने प्रपोज कर दिया, जिसे मारिया ने एक्सेप्ट भी किया। लेकिन मारिया की मां को पहले उनके रिश्ते पर संदेह था। इसलिए मैनोएल को मारिया के लिए अपना प्यार साबित करने के लिए कहा। उन्होंने उनके लिए एक घर बनाना शुरू किया और जल्द फिर मारिया का परिवार उनके रिश्ते के लिए सहमत हो गया। 1940 में, मानोएल और मारिया ने ब्राजील के सेरा में बोआ वेंचुरा के चैपल में शादी कर ली और यह एक-दूसरे के साथ जिंदगीभर के लिए कमिटमेंट रिश्ते में बंध गए। इन 84 सालों में, मनोएल और मारिया का परिवार बढ़ता गया और उनके कुल 13 बच्चे, 55 पोते-पोतियां, 60 परपोते और 14 परपोते-परपोते हो गए। दंपति ने एक साथ काम किया और अपने परिवार का समर्थन करने के लिए तंबाकू की खेती की। 2025 में वेलेंटाइन डे पर मनोनेल और मारिया ने एक साथ शादी के 84 साल और 77 दिन पूरे किए हैं। और उनके 13 बच्चों में से 9 अभी भी जिंदा हैं, जिसकी पुष्टि लॉन्गविक्वेस्ट की एक पोस्ट ने हाल ही में की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564